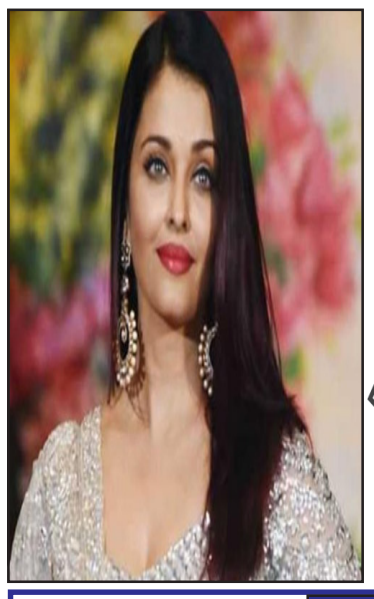

हिन्दी दैनिक

Log on : www.adbhutsamachar.com

अद्भुत समाचार

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष –10 अंक–96 | RNI-No. : UPHIN/2011/43806 | लखनऊ, शनिवार, 06 मार्च 2021 | प्रातः कालीन संस्करण | (हिन्दी दैनिक) | पृष्ठ–8 | मूल्य 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

राहुल-प्रियंका की महंगाई के खिलाफ अभियान से जुड़ने का आह्वान

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि सरकार जनता को लगातार महंगाई के दलदल में ढकेल रही है इसलिए लोगों को महंगाई के खिलाफ आवाज उठाने के पार्टी के अभियान से जुड़ना चाहिए। गांधी ने कहा महँगाई एक अभिशाप है। केंद्र सरकार सिर्फ टैक्स कमाने के लिए जनता को महंगाई के दलदल में ढकेलती जा रही है। देश के विनाश के खिलाफ अपनी आवाज उठाइए। कैम्पेन से जुड़िए। श्रीमती वाड्रा ने कहा महंगाई बढ़ने पर भाजपा सरकार के बहाने। सर्दी के कारण दाम बढ़े, पिछली सरकारों का दोष, लोग कम यात्रा करें इसलिए टिकट के दाम बढ़े। पेट्रोल–डीजल के बढ़ते दामों पर हमारा नियंत्रण नहीं है। आमजन की परेशानी को किया दरकिनार, इस बार बहानों की बौछार।

24 घंटों के दौरान कोविड-19 से 113 की मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति गंभीर होती जा रही है। नए मामले लगातार बढ़ रहे हैं। लगातार दो दिनों से दैनिक मौतों का आंकड़ा भी सौ को पार कर गया है। ठीक होने वाले मरीजों की तुलना में नए मामले ज्यादा मिलने से सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर पौने दो लाख से ज्यादा हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी दैनिक आंकड़ों के मुताबिक पिछले २४ घंटों के दौरान देशभर में १६,८३८ नए मामले मिले हैं और ११३ लोगों की मौत हुई है। इसमें महाराष्ट्र में ६०, पंजाब में १५ और केरल में १४ मौतें शामिल है। इसके साथ ही कुल संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर एक करोड़ ११ लाख ७३ हजार को पार कर गया है। इनमें से एक करोड़ आठ लाख ३६ हजार से ज्यादा मरीज ठीक हो चुके हैं और १,५७,५४८ लोगों की जान भी जा चुकी है। मरीजों के उबरने की दर घटकर ६७.०१ फीसद पर आ गई है और मृत्युदर १.४१ फीसद पर बनी हुई है। मंत्रालय ने बताया कि सक्रिय मामलों यानी उपचाराधीन मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में देश में कुल १,७६,३१६ सक्रिय मामले हैं, जो कुल संक्रमितों का १.५८ फीसद है। गुरुवार को ७.६१ लाख टेस्ट भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के मुताबिक कोरोना संक्रमण का पता लगाने के लिए गुरुवार को देशभर में ७,६१,८३४ नमूनों की जांच की गई। इनको मिलाकर अब तक कुल २१ करोड़ ६६ लाख ४० हजार से ज्यादा नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है।

पीएम मोदी ने व्यापार में कम सरकारी हस्तक्षेप पर दिया जोर

नई दिल्ली। सरकार के कम हस्तक्षेप और कारोबार करने में आसानी की जरूरत पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि केंद्र का मानना है कि और स्व–प्रमाणन पर जोर दे रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विनिर्माण क्षेत्र के संदर्भ में सरकार की नीतियां और रणनीति दोनों स्पष्ट हैं। उन्होंने केवल उन्हीं क्षेत्रों का समर्थन नहीं करती हैं, बल्कि उन क्षेत्रों से संबंधित संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्नत सेल बैटरी, सौर पीवी मड्यूल और विशेष इस्पात को प्रदान किए गए लाभ से देश के ऊर्जा क्षेत्र का आधुनिकीकरण होगा और उसी तरह कपड़ा और एवं प्रसंस्करण क्षेत्र को दिए गए लाभ का प्रतिफल कृषि क्षेत्र पर भी पड़ेगा। मोदी का मानना है कि अटो और फार्मा सेक्टर के लिए पीएलआई योजनाएं अटो पार्ट्स, मेडिकल उपकरण और दवाओं के कच्चे माल के लिए आयात निर्भरता को कम कर देंगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पीएलआई योजनाओं के तहत क्षेत्रों में कार्यबल अगले पांच वर्षों में दोगुना हो सकता है। उन्होंने कहा कि बेहतर विनिर्माण क्षमता भी देश में रोजगार सृजन में सुधार करती है।

व्यवसायों में सरकार का हस्तक्षेप समाधान लाने के बजाय और अधिक समस्याएं पैदा करता है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के एक वेबिनार में मोदी ने कहा कि व्यापार करने में आसानी के अपने दृष्टिकोण के साथ सरकार स्व–विनियमन, स्व–सत्यापन कहा कि इसका मकसद न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन है। मोदी ने यह भी कहा कि विनिर्माण क्षेत्र को उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए और शून्य प्रभाव, शून्य दोष के आदर्श वाक्य को अपनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाएं

UP PCS 2018 में चयनितों को CM योगी आदित्यनाथ ने बांटे नियुक्ति पत्र

लखनऊ । उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा २०१८ में चयनित उप जिलाधिकारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोक भवन में नियुक्ति पत्र बांटे। नवचयनित अधिकारियों से उन्होंने कहा कि प्रांतीय सेवा से जुड़े अधिकारी हमारी प्रशासनिक व्यवस्था के मेरुदंड हैं। उनका नागरिकों से सीधा जुड़ाव होता है। आम जनता अपने छोटे–बड़े कार्यों के लिए इसी तंत्र पर निर्भर है। दुख से पीड़ित मानवता की सेवा के लिए अपने आप को समर्पित कर सकें यही लक्ष्य आपका होना चाहिए। यूपी पीसीएस परीक्षा २०१८ में चयनित उप जिलाधिकारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधित करते हुए कहा कि गरीब जनता की समस्याओं का निस्तारण कर सामाजिक और आर्थिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने में आपकी बड़ी भूमिका होती है। जितना बेहतर आपका प्रशिक्षण होगा और उसके बाद जितने मनोयोग से आप अपनी शुरुआती सेवा के चार–पांच वर्षों में काम करेंगे, आपकी सेवा की नींव उतनी मजबूत होगी। नींव मजबूत होती है तो उस पर आकार लेने वाला भवन भी मजबूत होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यही वह समय होता है

जब आप तय करते हैं कि समर्पित भाव से जनसेवा कर आप यश बटोरेंगे या पतन की ओर जाएंगे। यदि कोई अधिकारी इस नींव को शुरुआती चार से पांच वर्षों में मजबूती देता है तो अगले २५– ३० वर्ष कामयाबी को गले लगाते हुए आगे बढ़ता है। जब शुरुआती पांच वर्षों का कार्यकाल ही विवादों में घिर जाता है या नकारात्मकता की ओर चला जाता है तो आगे के दिन संकट और मुंह छुपाने के होते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फील्ड में आपका न कोई अपना होगा और न पराया। क्षेत्र की जनता को परिवार मानकर बिना भेदभाव के काम करिए। उन्होंने कहा कि लोगों की ६० फीसद समस्याएं राजस्व से जुड़ी होती हैं। यदि हमारे एसडीएम और अन्य राजस्व कर्मी गरीबों की पीड़ा को सुनकर समस्याओ का समयबद्ध निस्तारण करें तो किसी को मेरे पास आने की जरूरत होती क्या? व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर से सांसद रहते हुए उनकी स्वयं की वरासत की कार्रवाई दो वर्ष तक पूरी नहीं हो पाई थी। तब उन्हें डीएम से कहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि जब मेरे साथ यह हाल था तो आम आदमी का क्या होता होगा? प्रशिक्षु अधिकारियों से उन्होंने कहा कि यह आपको तय करना है कि एक सामान्य व्यक्ति की दुआ लेकर आगे बढ़ना है या उसके अभिशाप से अभिशप्त होकर अपने करियर को अंधेरे में रखना है। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री ड. दिनेश शर्मा और वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भी संबोधित किया है।

प्रियंका 7 मार्च को मेरठ में किसान पंचायत को संबोधित करेंगी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रभारी प्रियंका गांधी सात मार्च को गत वर्ष सरकार द्वारा लागू किए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ मेरठ में एक किसान पंचायत को संबोधित करने वाली हैं। यह किसानों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए पार्टी द्वारा आयोजित बैठकों की श्रृंखला का एक हिस्सा है। उन्होंने हाल ही में मथुरा जिले में एक किसान पंचायत को संबोधित किया था, जो तीन केंद्रीय ंषि कानूनों के खिलाफ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के २७ जिलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का हिस्सा है। उसने पिछले महीने मथुरा में कहा था, "भगवान ंष्ण ने भगवान इंद्र के अहंकार को तोड़ दिया था और यहां के लोगों को बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठा लिया था। यह सरकार भी अहंकारी हो गई है और जो देश को जिंदा रखते हैं, उन किसानों के क्रोध से यह सरकार बच नहीं पाएगी।" पार्टी राज्य में मिलों द्वारा गन्ना के भुगतान के लिए प्रदर्शन और

पंचायत का आयोजन करेगी, जिसमें कांग्रेस महासचिव भाग लेंगी। किसानों द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने की उनकी मांग के लिए केएमपी एक्सप्रेसवे पर आंदोलन करने का फैसला करने के एक दिन बाद यह बैठक निर्धारित की गई है, क्योंकि किसान तीन महीने से अधिक समय से दिल्ली की सीमाओं पर बैठे हैं और कोई सफलता नहीं मिली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, गन्ना किसानों को २०१६–२० का बकाया नहीं मिला है। २०२०–२१ के विपणन वर्ष में, सामान्य किस्म के लिए एसएपी ३१५ रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा है, जबकि शुरूआती किस्म और गन्ने की अस्वींत किस्म के लिए कीमतें क्रमशरू ३२५ रुपये और ३१० रुपये प्रति क्विंटल बनी रहेगी। यह तीसरा सीधा वर्ष है जब राज्य सरकार ने गन्ने के मूल्य में वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया है। २०१७ में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता में आने के बाद एसएपी को २०१७ में १० रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया था। किसान नई एसएपी को ३२५ रुपये से बढ़ाकर ४५० रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग कर रहे हैं।

जयंत, प्रियंका के बाद अखिलेश किसान पंचायत से बनाएंगे भाजपा के खिलाफ माहौल

लखनऊ। तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन को लेकर राजनीतिक दलों ने महापंचायतें शुरू की है। राष्ट्रीय लोकदल के उपाध्यक्ष जयंत चौधरी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, केजरीवाल के बाद अब सपा मुखिया अखिलेश यादव किसान पंचायत के जरिए पश्चिमी यूपी की सियासत को परखने और भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने मैदान में उतरने जा रहे हैं। इसकी शुरूआत आज से अलीगढ़ के टप्पल से होने जा रही है। यहां पर किसान महापंचायत हो रही है। किसी समय किसान आंदोलन के लिए चर्चित रहे टप्पल में आज पंचायत करेंगे। इसके बाद किसान आंदोलन का केंद्र रहे बाजना मथुरा में वह १६ मार्च को पंचायत करेंगे। इससे पहले वह १७–१८ मार्च को मथुरा के पार्टी शिविर में भाग लेंगे। इसके अलावा वह मेरठ के मवाना और कासगंज में जल्द किसानों की पंचायत करेंगे। किसानों के पक्ष में टप्पल में हो रही पहली रैली के माध्यम से वह किसानों को साधने का प्रयास करेंगे। ज्ञात हो कि पश्चिमी यूपी में राजनीति की दशा और दिशा जाट और मुस्लिम तय करते हैं। किसान आंदोलन के माध्यम से शून्य पड़ी रालोद में फिर से जान आयी है। चौधरी अजीत और उनके बेटे जयंत मिलकर खोया जनाधार वापस लाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। वह

पश्चिमी यूपी में तमाम जिले में पंचायत कर जाटों को अपने पाले में लाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं प्रियंका गांधी भी सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर के बाद मेरठ में भी पंचायत करने जा रही है। पंचायत में आ रही भीड़ से वह काफी गदगद हैं और उनके हौसले बुलंद हैं। उत्तर प्रदेश में जमीन तलाश रही आम आदमी पार्टी के मुखिया केजरीवाल मेरठ में पंचायत कर अपने समीकरण साधते नजर आए हैं। शायद इसी कारण पश्चिमी यूपी में राजनीतिक दलों की सक्रियता को देखते हुए अखिलेश ने भी किसानों के पक्ष में पंचायत करने की रणनीति तैयार की है। वह इसके माध्यम से २०२२ का रास्ता तैयार करने के फिराक में लगे हैं। सपा के एमएलसी सुनील साजन का कहना है कि समाजवादी पहले ी दिन से तीन नए काले कानूनों के खिलाफ है। वह किसानों के साथ खड़ी नजर आ रही है। पंचायत में श्रेय लेने जैसी कोई बात नहीं है। सपा का अब कार्यक्रम लगातार चलेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष रैली और पंचायत के माध्यम से कानूनों का विरोध करेंगे। पार्टी के सभी कार्यकर्ता और नेता गांव–गांव जाकर इन कानूनों के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागृत करेंगे। तमाम उपक्रम के साथ सरकार खेती भी चुनिंदा उद्योगपतियों को देना चाहती है। जिसका सपा विरोध कर रही है।

लाभ वाले उपक्रम बेचकर देश को लूट रही है सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार आसमान छूती महंगाई के जरिए जनता को लूट रही है और दूसरी तरफ लाभ में चलने वाले सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को निजी हाथों को बेचकर लोगों के साथ धोखा किया जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता राजीव शुक्ला तथा गौरव वल्लभ ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब इन संस्थानों की स्थापना हुई थी तो उस समय कोई निजी संस्थान इनके पोषण के लिए आगे नहीं आया लेकिन जो संस्थान लाभ में चल रहे है अब उनको निजी हाथों को बेचकर सरकार के मित्रों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। उनका कहना था कि यदि निजी हाथों को बेचने से संस्थान मजबूत होते हैं तो प्राइवेट सेक्टर को सिर्फ लाभ में चलने वाले नहीं बल्कि घाटे में चलने वाले एयर इंडिया जैसे संस्थानों को भी खरीदना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं लेकिन

कर निरंतर बढ़ाये जा रहे हैं। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर सरकार लाभ अर्जित कर रही है। महंगाई बढ़ाकर सरकारी खजाने को भरा जा रहा है। जनता की जेब से लगातार पैसे निकाले जा रहे हैं और महंगाई को चरम पर पहुंचाकर पैसे एक किया जा रहा है लेकिन जनता को इसका फायदा नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति को बेचा जा रहा है और इसका कोई फायदा जनता को नहीं दिया जा रहा है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि जो संस्थान लाभ में चल रहे हैं उन सार्वजनिक संस्थाओं को बेचा जा रहा है और यह सरकार की मनमानी का प्रतीक है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकारी संस्थान सरकार की मजबूती का प्रतीक होते हैं। सरकारी संस्थानों के माध्यम से ही देश में सरकार दिखती हैं। देशभर में लोगों को सरकारी संस्थानों पर भरोसा भी ज्यादा होता है लेकिन सरकार इन सभी संस्थानों को बेच रही है और उन्हें निजी हाथों को सौंप रही है।

चुनाव से १४ दिन पहले पश्चिम बंगाल जाएंगे राकेश टिकैत

नई दिल्ली। केंद्र द्वारा पारित तीन ंषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसान भविष्य के लिए रणनीति बना रहे हैं। अपने इस प्रदर्शन को लेकर जागरूकता का प्रसार करने की एक रणनीति के रूप में इन्होंने देश में होने वाली महापंचायतों की श्रृंखला की घोषणा की है, जिनमें चुनाव वाले राज्य भी शामिल हैं। इस दौरान संयुक्ता किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेता राकेश टिकैत पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे और चुनाव से सिर्फ १४ दिन पहले १३ मार्च को वहां आयोजित एक महापंचायत में भाग लेंगे। २७ मार्च से २६ अप्रैल तक आठ चरणों में २६४ विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा। सूत्र ने कहा कि ड. दर्शन पाल, योगेंद्र यादव, बलबीर सिंह राजेवाल जैसे अन्य किसान नेता भी १२ मार्च को महापंचायत में भाग लेंगे, जबकि टिकैत १३ मार्च को इसे संबोधित करेंगे। टिकैत की पश्चिम बंगाल की यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि एसकेएम ने हाल ही में घोषणा की थी कि वह चुनाव होने वाले राज्यों के लोगों से किसान विरोधी और गरीब विरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा को सबक सिखाने की अपील करेगी। पश्चिम बंगाल में टिकैत का यह दौरान काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि एसकेएम ने हाल ही में इस बात की घोषणा की थी कि इसके माध्यम से चुनाव होने वाले राज्यों के लोगों से किसान विरोधी और गरीब विरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा को सबक सिखाने की अपील करेगी।

सम्पादकीय

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव : असली परीक्षा पश्चिम बंगाल में

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव : देश के राजनैतिक भविष्य के लिए ये निर्णायक होंगे असली परीक्षा पश्चिम बंगाल में ही हो रही है। सच कहा जाय, तो सिर्फ बंगाल के नतीजे ही यह तय करेंगे कि देश के भविष्य में क्या लिखा हुआ है। किसान आंदोलन के आगे झुकना है या नहीं, इसका फैसला मोदी बंगाल के चुनाव के नतीजे देख कर ही तय करेंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को शानदार सफलता मिली थी और उसने १८ सीटें हासिल कर ली थीं। अब वह अपना प्रदर्शन और बेहतर करने के लिए एड़ी चोटी का पसीना एक कर रही है। पांच राज्यों में हो रहे चुनाव न केवल उन राज्यों की सरकारों का गठन करेंगे, बल्कि वह देश के राजनैतिक भविष्य के भी नियंता होंगे। इसका कारण यह है कि वे चुनाव इतिहास के एक बहुत ही महत्वपूर्ण मोड़ पर हो रहे हैं। केन्द्र की सरकार अंधाधुध सार्वजनिक संपत्तियों को ही नहीं बेच रही है, बल्कि उसने ऐसी नीतियां अपनानी शुरू की हैं, जिनसे निजी संपत्तियों का केन्द्रीकरण भी कुछ निजी हाथों में ही होता चला जाएगा और देश में भयंकर आर्थिक विषमता का राज हो जाएगा। इस तरह का राज लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक होगा। इसके कारण देश के लोकतंत्र के समाप्त हो जाने या सिर्फ नाममात्र के रह जाने का खतरा हैं। मोदी सरकार अपनी आर्थिक नीतियों को अंधाधुंध तरीके से लागू करती जा रही है और विपक्ष परिदृश्य से लगभग नदारद है। वैसी स्थिति में किसान आंदोलन आशा की एक किरण देश को दे रहा है, लेकिन किसान आंदोलन की परवाह करने को भी मोदी सरकार तैयार नहीं है। उसका अपना एक एजेंडा है और उस एजेंडे से पीछे जाने को वह कतई तैयार नहीं है। वैसी हालत में उसकी लगातार चुनावी हार ही उसे अपने हठ से पीछे हटने को विवश कर सकती है। दूसरी ओर, आने वाले चुनावों में मिली जीत सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने के उसके संकल्प को और भी मजबूत करेगा। इस क्रम में वह प्रतिरोध करने वाली ताकतों को क्रूरता से कुचलने में भी गुरेज नहीं करेगी। गुजरात को छोड़कर अन्य राज्यों के चुनावों में पिछले कुछ दिनों से लगातार हार मिल रही है, लेकिन वे चुनाव स्थानीय निकायों के हैं। इसलिए वह इसकी ज्यादा परवाह नहीं कर रही है, लेकिन विधानसभा के चुनावों की रोशनी में उसे अपने फैसले पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। हार के बाद वह पीछे हट सकती है और जीत के बाद वह और भी कृतसंकल्प होकर आगे बढ़ेगी। जिन पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, उनमें से एक में, यानी असम में, भाजपा की सरकार है। उसके खिलाफ कांग्रेस और अजमल की पार्टी का गठबंधन खड़ा है। वहां से आ रही खबरों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी अभी भी मजबूत स्थिति में है, क्योंकि गठबंधन के सामने नेतृत्व का संकट है। इसके अलावा एक तथ्य यह भी है कि अन्य पार्टियों की अपेक्षा कांग्रेस को हराना भाजपा के लिए आसान है और वहां उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी कांग्रेस ही है। अब चूंकि वहां पहले से ही भाजपा की सरकार है, इसलिए वहां भाजपा की जीत कोई खास मायने नहीं रखेगी। लेकिन पश्चिम बंगाल के लिए यह सच नहीं है। यदि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल का चुनाव जीत जाती है, तो यह जीत उसके लिए २०१६ की लोकसभा चुनाव जीत के बराबर होगी। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी ने वहां अपनी सारी ताकत झोंक रखी है। चुनाव ५ राज्यों में है, लेकिन अपनी ताकत का ८० फीसदी तो भाजपा ने पश्चिम बंगाल में ही लगा रखा है और शेष ४ राज्यों में शेष २० फीसदी ताकत से ही वह काम चला रही है। वैसे दक्षिण के तीन प्रदेशों में उसके पास करने के लिए विशेष कुछ है भी नहीं। केरल में मुकाबला सीपीएम के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले एलडीएफ के बीच है। भाजपा का जोर वहां दो–तीन सीटें निकालने पर ही होगा। यदि उसका वोट प्रतिशत बढ़ा, तो इसका फायदा एलडीएफ को ही होगा, क्योंकि देश भर में यह देखा जा रहा है कि कांग्रेस की कीमत पर ही भाजपा आगे बढ़ती है। कांग्रेस के जनाधार ही नहीं, बल्कि कांग्रेस के विधायकों में भी कांग्रेस की ओर खिसकने की प्रवृति है। तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस एआईएडीएमके की जूनियर पार्टनर है और वहां जीत दिलाने की मुख्य जिम्मेदारी दक्षिण की उस द्रविड़ पार्टी के पास ही है। तमिलनाडु में उसके गठबंधन की जीत तो लगभग असंभव लग रही है, क्योंकि स्टालिन अपने पिता करुणानिधि का स्थान तमिलनाडु की राजनीति में लगभग ले चुके हैं और शशिकला के अपनी सजा काटकर जेल से बाहर आ जाने के बाद सत्तारूढ़ पार्टी की हालत और भी पतली हो जाना स्वाभाविक ही है। पुडुचेरी में शायद भाजपा के पक्ष में सत्ता का परिवर्तन हो जाए और उसे वह अपनी जीत के रूप में खूब प्रचारित करेगी, हालांकि वहां की आबादी मात्र १५ लाख है, जो बंगाल और बिहार की किसी भी एक संसदीय क्षेत्र की आबादी से भी बहुत कम है। भारतीय जनता पार्टी की असली परीक्षा पश्चिम बंगाल में ही हो रही है। सच कहा जाय, तो सिर्फ बंगाल के नतीजे ही यह तय करेंगे कि देश के भविष्य में क्या लिखा हुआ है। किसान आंदोलन के आगे झुकना है या नहीं, इसका फैसला मोदी बंगाल के चुनाव के नतीजे देख कर ही तय करेंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को शानदार सफलता मिली थी और उसने १८ सीटें हासिल कर ली थीं। अब वह अपना प्रदर्शन और बेहतर करने के लिए एड़ी चोटी का पसीना एक कर रही है। भारी पैमाने पर लोभ, भय या दोनों दिखाकर दल बदल कराया जा रहा है, उसे प्रचारित कर अपने पक्ष में वह वातावरण तैयार कर रही है, लेकिन लेफ्ट– कांग्रेस की एक रैली में उमड़ी अपार भीड़ ने उसके पैरों में कंपकंपी भी पैदा कर दी है। इसका कारण यह है कि लेफ्ट–कांग्रेस के आधार को अपनी ओर खींचकर ही भाजपा २०१६ के लोकसभा चुनाव में ४२ में से १८ सीटों पर जीतने में सफल हुई थी। यदि उस जनाधार का एक हिस्सा लेफ्ट–भाजपा की ओर वापस जाता है, तो फिर भाजपा की स्थिति दयनीय हो जाएगी और वैसी हालत में सत्ता में आना तो दूर, विधानसभा में मुख्य विपक्ष बनने की भूमिका को भी तरस जाएगी। यह स्थिति भारतीय जनता पार्टी के लिए बेहद असंतोषजनक होगा, लेकिन इसके कारण शायद देश का सब कुछ बेच देने के अपने जुनून से वह बाज आ जाए। जाहिर है, पांच राज्यों के चुनावों में पश्चिम बंगाल का चुनाव ही वह चुनाव है, जो देश के भविष्य को बनाने या बिगाड़ने की क्षमता रखता है।

असम में बीजेपी की मुश्किलें बढ़ीं

यह भी सच है कि बीपीएफ को मुस्लिम वोटों के हस्तांतरण ने २०२० के बीटीसी चुनाव में कांग्रेस–एआईयूडीएफ गठबंधन को भारी नुकसान पहुंचाया, जबकि एआईयूडीएफ ने अपनी सभी ४ सीटें खो दीं, जबकि कांग्रेस ने किसी तरह अपना खाता खोलने का प्रबंध किया। लेकिन साथ ही, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि पिछले कुछ वर्षों में एनडीए के दोनों घटक –भाजपा और यूपीपीएल इस क्षेत्र में अपने समर्थन को बढ़ाने में सक्षम हैं। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को छोड़ दिया है। उसने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसने बीजेपी के साथ अपने गठबंधन को नवीनीत नहीं किया। वैसे बीजेपी ने भी उसके साथ मिलकर चुनाव लड़ना बंद कर दिया था। पिछले काउंसित चुनावों में बीजेपी ने यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के साथ गठबंधन किया था। उसके कारण बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद में बीपीएफ की हार हो गई थी। ऐसा पिछले १५ सालों में पहली बार हुआ। वैसे बीपीएफ ४० सीटों वाली परिषद में १७ सीटें पाकर नंबर वन पार्टी बनी रही, पर उसने सत्ता खो दी, क्योंकि यूपीपीएल– बीजेपी गठबंधन को २१ सीटें हासिल हो गई थीं। अब बीपीएफ कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन का हिस्सा हो गया है। हालांकि, ऐसी अटकलें थीं कि वह असम जनता परिषद–रायजोर दल गठबंधन में शामिल हो सकता है। लेकिन पार्टी ने इन सभी अटकलों पर ठंडा पानी डाला। औपचारिक रूप से कांग्रेस के ग्रैंड अलायंस में शामिल हो गया। उस महागठबंधन में कांग्रेस के साथ बदरुद्दीन अजमल का आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), सीपीआई, सीपीआई (एम), सीपीआई (एमएल) और आंचलिक गण मंच शामिल है। आंचलिक गण मंच पत्रकार और राज्यसभा सांसद

अजीत भुइयां के नेतृत्व में एक नवगठित क्षेत्रीय पार्टी है। इसमें कोई शक नहीं, ग्रैंड अलायंस में शामिल होने के बीपीएफ के फैसले ने गठबंधन के नेता कांग्रेस सहित सभी घटकों को खुश कर दिया है। विशेष रूप से, २०१६ में बीजेपी के साथ हाथ मिलाने से पहले बीपीएफ लंबे समय तक राज्य में कांग्रेस के साथ गठबंधन में था। लेकिन सवाल यह है कि क्या बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को बीपीएफ की मदद से कांग्रेस के नेतृत्व वाला महागठबंधन हरा पाएगा? बीपीएफ मुख्य रूप से बोडो–आधारित पार्टी है, जिसकी पकड़ मुख्य रूप से बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) में है, जिसमें चार जिले हैं– उदलगुरी, चिरांग, कोकराझार और बक्शा। राज्य की आबादी का लगभग ५–६ प्रतिशत है। बीटीआर क्षेत्र में १२ विधानसभा सीटें हैं। इसके अलावा, बोडो मतदाताओं के एक छोटे से हिस्से के साथ कुछ अतिरिक्त सीटें हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए के घटक के रूप में बीपीएफ १३ सीटों पर चुनाव लड़ा था। हालांकि बीपीएफ पिछले साल पहली बार बीटीसी में जीत नहीं बना सका था, लेकिन हगराम मोहिलरी के नेतृत्व वाली पार्टी १७ सीटें जीतकर बीटीसी चुनावों में एकल सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने में सफ ल रही। इसके बोडो स्थित प्रतिद्वंद्वी यूपीपीएल, जो अब एनडीए का एक घटक है, ने १२ सीटों पर कब्जा कर लिया, जबकि बीजेपी ने ६ सीटें जीतीं। इससे पता चलता है कि बोडोलैंड क्षेत्र में बीपीएफ अभी भी एक ताकत है। फिर भी, यह एक तथ्य है कि बोडोलैंड क्षेत्र में बीपीएफ का समर्थन घट रहा है। २००५ में हुए पहले चुनाव में, बीपीएफ ने ४० में से ३५ सीटों पर कब्जा करके एक बड़ा जनादेश जीता। लेकिन बाद के चुनावों में, उसकी सीट की संख्या कम हो गई। बोडो पार्टी ने क्रमशः २०१०, २०१५ और २०२० में २६, २० और १७ सीटें जीतीं। इससे पता चलता है कि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण ताकत होने के बावजूद उसका समर्थन घट रहा है। इतना ही नहीं, बीपीएफ २०१४ और २०१६ के चुनावों में कोकराझार लोकसभा सीट जीतने में नाकाम रही, कोबरा सरनिया से उसकी हार हुई जो अब गण शक्ति पार्टी का नेतृत्व करते हैं– वह बीटीसी में यूपीपीएल–भाजपा गठबंधन का समर्थन भी कर रहे हैं। महत्वपूर्ण रूप से, बोडोलैंड क्षेत्र में, बोडो की आबादी कुल आबादी का केवल २७ फीसदी ही है। बहुसंख्यक–गैर–बोडोस– की अपनी समस्याएं हैं, जो आमतौर पर बोडो से भिन्न हैं। बोडोलैंड क्षेत्र में रहने वाले गैर–बोडो हमेशा से बोडोलैंड राज्य के निर्माण के सख्त विरोधी रहे हैं। बोडो और गैर–बोडो के बीच इस तनाव के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में अतीत में ध्रुवीकरण हुआ है। यह ध्रुवीकरण है जिसने कोकराझार लोकसभा क्षेत्र में २०१४ और २०१६ के लोकसभा चुनावों में बीपीएफ को हराने के लिए, एक गैर–बोडो नाबा सरानिया की मदद की। दूसरी ओर, जबकि बीपीएफ बोडोलैंड क्षेत्र में अपना समर्थन खो रहा है, इसके प्रतिद्वंद्वी यूपीपीएल क्षेत्र में अपना आधार बढ़ाने में सक्षम है। २०१५ के बीटीसी चुनावों में, यूपीपीएल के पहले अवतार पीपुल्स कोआर्डिनेशन फार डेमोक्रेटिक राइट्स (पीसीडीआर) ने ७ सीटें हासिल कीं– और २०२० में, यूपीपीएल ५ सीटें बढ़ाने में कामयाब रहा। यूपीपीएल की सहयोगी भाजपा भी २०२० के चुनावों में ८ सीटें बढ़ाने में सफल रही क्योंकि उसे गैर–बोडो का समर्थन प्राप्त था। हालांकि, बीपीएफ में मुस्लिम वोटों का हस्तांतरण पार्टी के लिए सांत्वना के रूप में आया। यह नहीं भूलना चाहिए कि कांग्रेस ने एक बार अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन किया है ताकि आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में मुस्लिम वोटों को सुनिश्चित किया जा सके। दिसपुर में सरकार के गठन में मुसलमानों को राज्य की आबादी का लगभग ३४ फीसदी हिस्सा बनता है। यह भी सच है कि बीपीएफ को मुस्लिम वोटों के हस्तांतरण ने २०२० के बीटीसी चुनाव में कांग्रेस–एआईयूडीएफ गठबंधन को भारी नुकसान पहुंचाया, जबकि एआईयूडीएफ ने अपनी सभी ४ सीटें खो दीं, जबकि कांग्रेस ने किसी तरह अपना खाता खोलने का प्रबंध किया। लेकिन साथ ही, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि पिछले कुछ वर्षों में एनडीए के दोनों घटक –भाजपा और यूपीपीएल इस क्षेत्र में अपने समर्थन को बढ़ाने में सक्षम हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बीपीएफ के ग्रैंड एलायंस के साथ हाथ मिलाने से मुस्लिम वोटों के विभाजन को रोका जा सकता है, लेकिन यह देखा जाना बाकी है कि क्या एक कमजोर होता बीपीएफ बोडोलैंड क्षेत्र में उभरते हुए यूपीपीएल और भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम होगा।

आजादी की भारत सच्चाई!

अजीत द्विवेदी

फिल्मकार अनुराग कश्यप और अभिनेत्री तापसी पन्नू के यहां आय कर विभाग का छापा पड़ा तो सोशल मीडिया में बड़ी दिलचस्प प्रतिक्रिया पढ़ने को मिली। किसी ने लिखा– आप बोलने के लिए आजाद हैं, लेकिन उसके बाद आपको किसी किस्म की आजादी नहीं है। एक दूसरे व्यक्ति ने लिखा– आपको बोलने की आजादी है पर ईडी, सीबीआई और आय कर विभाग की कार्रवाई के लिए भी तैयार रहें! यह वर्तमान भारतीय समय की ऐसी सचाई है, जिसे दुनिया भी बहुत साफ–साफ देख रही है। तभी अमेरिकी संस्था फ्रीडम हाउस ने लोकतंत्र और आजादी को लेकर जारी की गई अपनी ताजा रैंकिंग में भारत का स्थान नीचे कर दिया है। फ्रीडम हाउस ने भारत को फ्री यानी आजाद मुल्क की श्रेणी से हटा कर पार्टली फ्री यानी आंशिक आजादी वाले देशों की श्रेणी में डाल दिया है। इसने २११ देशों की रैंकिंग की है, जिसमें भारत की रैंकिंग ८३ से घटा कर ८८ कर दी गई है और एक सौ में से भारत को ६७ अंक मिले हैं। पिछली बार भारत को ७१ अंक मिले थे। फ्रीडम हाउस की इस रिपोर्ट से एक महीना पहले दो फरवरी को द इकोनमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट ने अपना सालाना डेमोक्रेसी इंडेक्स जारी किया था। उसमें भी भारत दो स्थान नीचे गिर कर ५३वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत को १० में से ६.६१ अंक मिले। पिछले साल ६.६६ फीसदी अंक मिले थे और २०१४ में जब भारत की स्थिति सबसे अच्छी थी तब उसे ७.६२ अंक मिले थे। यानी २०१४ के बाद से भारत में लोकतंत्र की स्थिति क्रमशः बिगड़ती जा रही है। द इकोनमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट ने दुनिया के देशों को चार श्रेणी में बांटा है। उसने १६७ देशों की सूची बनाई है, जिसमें २३ देशों को पूर्ण लोकतंत्र का दर्जा दिया है और ५३ देशों को 'फ्लॉड डेमोक्रेसी' यानी खामियों वाले लोकतंत्र की श्रेणी में रखा है। भारत को इसी श्रेणी में जगह मिली है। अपने देश के लोगों के लिए खुश होने की बात यह हो सकती है कि अमेरिका, फ्रांस, बेल्जियम, ब्राजील आदि देश भी इसी श्रेणी में हैं। उसने दुनिया के ३५ देशों को हाइब्रीड मॉडल और ५७ देशों को एकाधिकारवादी या तानाशाही मॉडल वाला बताया है। चाहे फ्रीडम हाउस की रिपोर्ट हो या द इकोनमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट का इंडेक्स हो, दोनों में भारत के बारे में कई बातें एक जैसी कही गई हैं। दोनों ने कहा है कि भारत में लोकतंत्र नीचे गिरता जा रहा है और आम लोगों की आजादी पर हमले हो रहे हैं। नागरिकता संशोधन कानून से

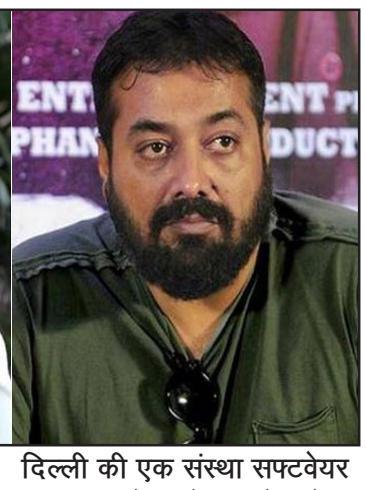

लेकर कोरोना वायरस को रोकने के लिए अपनाई गई रणनीति तक में ऐसी बारीकियों को एजेंसी ने पकड़ा है, जिनसे यह जाहिर हुआ है कि नागरिकों की आजादी को बाधित किया जा रहा है। फ्रीडम हाउस ने अपनी रिपोर्ट में भारत के बारे में चिंता जताते हुए कहा है कि देश में बोलने की आजादी के मामले में भारत की रैंकिंग लगातार तीन साल से गिर रही है। उसने इंटरनेट की सेवा बंद करने, सरकार से असहमति की आवाजों को दबाने या उनकी साख बिगाड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया में लक्षित हमले करने और राजनेताओं द्वारा गलत या अधूरी सूचनाओं का व्यापक प्रसारण करने के तीन खतरों का जिक्र किया है। ये खतरे काल्पनिक नहीं हैं और न इन्हें बढ़ा–चढ़ा कर बताया गया है। यह हकीकत है कि इंटरनेट की सेवा बंद करने के मामले में भारत दुनिया का नंबर एक देश बन गया है। एक आंकड़ा तो यह भी है कि पिछले साल पूरी दुनिया में जितनी बार इंटरनेट की सेवा बंद की गई है उसमें ७० फीसदी मामले अकेले भारत के हैं। नई दिल्ली की एक संस्था सफ्टवेयर फ्रीडमॉल सेंटर ने इंटरनेट सेवा बंद किए जाने का डाटा इकट्ठा किया है। इसके मुताबिक २०२० में देश में १३२ बार इंटरनेट की सेवा बंद की गई। २०१६ में १०६ बार और उससे पहले २०१८ में सबसे ज्यादा १३४ बार इंटरनेट की सेवा बंद की गई थी। मनमोहन सिंह के कार्यकाल के आखिरी तीन साल में सिर्फ १४ बार इंटरनेट की सेवा बंद की गई थी। जिस समय कई बातों के लेकर देश में आंदोलन चल रहा था तब भी आंदोलनकारियों की आवाज दबाने या उनके नैरेटिव के बरक्स सरकारी प्रचार को आगे बढ़ाने के लिए इंटरनेट सेवा या डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल नहीं किया गया था। २०१२ में सिर्फ तीन बार इंटरनेट की सेवा बंद हुई थी। २०१३ में पांच बार और २०१४ में छह बार इंटरनेट की सेवा बंद हुई थी। एक तथ्य यह भी है कि २०१६ के बाद से भारत में हर साल दुनिया के किसी भी दूसरे देश के मुकाबले ज्यादा बार इंटरनेट की सेवा बंद की गई है। हर बार इसके दो कारण बताए जाते हैं– नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था। इसके लिए केंद्र सरकार ने २०१७ में इंडियन टेलीग्राफ एक्ट में संशोधन किया और यह प्रावधान कर दिया कि संचार सेवाओं को अस्थायी तौर पर निलंबित किया जा सकता है। तब से लगातार संचार सेवाएं निलंबित की जा रही हैं। इन दिनों दिल्ली की सीमा पर देश के कई राज्यों के किसान आंदोलन पर बैठे हैं। केंद्र के बनाए तीन कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों का आंदोलन पांच मार्च को एक सौ दिन का हो जाएगा। इस दौरान कई बार पुलिस ने कानून व्यवस्था के नाम पर इंटरनेट सेवा निलंबित की या धीमी की। इंटरनेट की सेवा यह सोचे बगैर बंद की गई कि इन दिनों सारे स्कूल–कलेज बंद हैं और बच्चे इंटरनेट के जरिए ही अनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक नागरिकों के इंटरनेट एक्सेस करने की आजादी पर भारत में दुनिया के कई एकाधिकारवादी देशों जैसे म्यांमार, बेलारूस, अजरबैजान आदि से भी ज्यादा पाबंदी है। असल में यह नागरिकों की सुरक्षा या कानून व्यवस्था का मामला नहीं है। ऐसा नहीं है कि सरकार को कुछ नहीं सूझ रहा है तो इंटरनेट बंद कर दिया जा रहा है। असल में एक सुविचारित योजना के तहत इंटरनेट की स्पीड धीमी की जा रही है या इसकी सेवा बंद की जा रही है। चाहे जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद ३७० हटाने का मामला हो या नागरिकता संशोधन कानून लागू करने का मामला हो या कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे आंदोलन का मामला है, हर मौके पर सरकार ने इंटरनेट की सेवा बंद करने की सहूलियत का इस्तेमाल किया। सरकार ने इसका इस्तेमाल लोकप्रिय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किया। इंटरनेट की सेवा को प्रतिबंधित करके सरकार ने लोकप्रिय विमर्श को नियंत्रित किया और इस कारण लोगों ने वहीं देखा–सुना, जो सरकार दिखाना या सुनाना चाहती थी। यह हकीकत है कि भारत सबसे धीमे ब्राडबैंड स्पीड वाले देशों में शामिल हैं, देश में इंटरनेट की पहुंच भी ५० फीसदी के आसपास है और ऊपर से इंटरनेट सेवा बंद करने वाले देशों में लगातार चार साल से भारत अव्वल है। जब इतने से भी बात नहीं बनी तो अब डिजिटल प्लेटफर्म्स और सोशल मीडिया को नियंत्रित करने का कानून लाया जा रहा है। सरकार ने इसका मसौदा जारी कर दिया है और अगले तीन महीने में इसे कानून बना दिया जाएगा। इस कानून के लागू होने के बाद ओवर द टप यानी ओटीटी प्लेटफर्म्स और संचार सेवा से जुड़ी इंटरमीडियरी कंपनियों जैसे कंटेंट प्रोवाइडर्स, इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स आदि को कई तरह से पाबंद किया जाएगा। डिजिटल अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था द इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन ने इस कानून के मसौदे को 'अलोक तांत्रिक और असंवैधानिक' बताया है। इतने उपाय करने और पाबंदियों के बावजूद अगर कोई कुछ ऐसा लिख या बोल देता है, जो सरकार को पसंद नहीं है तो उसकी स्थिति प्रबीर पुरकायस्थ, गीता हरिहरन, अनुराग कश्यप और तापसी पन्नू वाली होती है।

प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा की अभद्रता से अधिकारी व कर्मी आक्रोशित

लखनऊ। प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा के खराब व्यवहार तथा अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ लगातार अभद्रता का मामला अब तूल पकड़ रहा है। समाज कल्याण निदेशालय में तो गुरुवार से ही अधिकारियों के साथ कर्मचारियों भर्ती कराया गया है। निदेशक की तबीयत खराब होने की सूचना पर समाज कल्याण निदेशालय के अधिकारी व कर्मचारी नाराज हो गए। इन लोगों ने काफी देर तक काम ठप रखा। शुक्रवार को सुबह से ही समाज कल्याण निदेशालय में तालाबंदी हो गई।

ने काम ठप कर दिया था, शुक्रवार को निदेशालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर इन लोगों ने ताला बंद कर दिया है। इनकी मांग प्रमुख सचिव बीएल मीणा के खिलाफ कार्रवाई की है। प्रमुख सचिव बीएल मीणा के अभद्र व्यवहार के कारण समाज कल्याण विभाग के निदेशक बाल कृष्ण त्रिपाठी की गुरुवार को तबीयत खराब हो गई। उनको लखनऊ में गोमती नगर के एक प्राइवेट अस्तपाल में समाज कल्याण निदेशालय के सभी कर्मचारी तथा अधिकारी हड़ताल पर हैं। इन सभी ने प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा पर गंभीर आरोप लगाया है। इनका आरोप है कि प्रमुख सचिव मीणा सबसे बदसलूकी करते हैं। प्रमुख सचिव के खिलाफ समाज कल्याण विभाग में बगावत हो गई है। विभाग के कर्मचारियों का आरोप है कि लगातार विवादों में रहने वाले प्रमुख सचिव मीणा मातहतों से गाली–गलौज तथा बदतमीजी करते हैं। इनके अभद्र व्यवहार के कारण विभाग के कई विशेष सचिव तथा निदेशक काम करने से मना कर चुके हैं। प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा ने आइएएस अफसर तथा विभाग के निदेशक बीके त्रिपाठी को मीटिंग में जमूरा कहा था। इसके साथ ही वीडियो कान्फ्रेंसिंग में उन्होंने कहा कि सरकार ने चिडियाघर से बुलाकर निदेशक को बैठा दिया हैं। उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि दो दिन पहले प्रमुख सचिव ने स्कालरशिप की आनलाइन मीटिंग में निदेशक को अपशब्द कहे थे। मीटिंग में ७५ जिलों के अधिकारी व कर्मचारी जुड़े थे। मीटिंग में प्रमुख सचिव बीएल मीणा ने निदेशक बीके त्रिपाठी को जमूरा तक कह दिया था। प्रमुख सचिव बोले कि सरकार ने एक बेवकूफ आदमी बैठा दिया है। इसको कुछ आता–जाता नहीं है। पता नहीं कहां से चिडियाघर से बुलाकर डायरेक्टर को बैठा दिया है। ऑनलाइन मीटिंग में प्रमुख सचिव ने निदेशक त्रिपाठी पर पर एससी–एसटी एक्ट में एफआईआर कराने तक की धमकी भी दी।

प्रमुख सचिव के रवैये से परेशान समाज कल्याण निदेशक की तबीयत बिगड़ी, मंत्री पहुंचे अस्पताल

लखनऊ। समाज कल्याण निदेशक बालकृष्ण त्रिपाठी की बृहस्पतिवार को अचानक दफ्तर में ही तबीयत खराब हो गई। उन्हें गोमतीनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि त्रिपाठी पिछले काफी समय से तनाव में थे। उच्च रक्तचाप से उनकी हालत बिगड़ी। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दो दिन पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख सचिव के साथ हुई बातचीत से निदेशक असहज हो गए थे। उधर, समाज कल्याण मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि प्रमुख सचिव के रवैये से सभी परेशान हैं। शुक्रवार को आम सभा की बैठक कर इस बारे में अगली रणनीति तय होगी। समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री ने अस्पताल जाकर निदेशक बालकृष्ण त्रिपाठी का हालचाल लिया। मंत्री ने बताया कि जानकारी पर वे अस्पताल गए थे। प्रमुख सचिव और निदेशक के बीच किसी तरह की तनातनी की बात उनकी जानकारी में नहीं आई है।

यूपी के बाराबंकी में कांवड़ियों की टोली में आगे चलने को लेकर चाकूबाजी

बाराबंकी। महाशिवरात्रि का पर्व ११ मार्च को है। इसी कड़ी में बाराबंकी में शुक्रवार की सुबह चार बजे लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने कांवड़ियों की सतरंगी टोलियां निकली। इसी दौरान आगे निकलने को लेकर कांवड़ियों के एक समूह में मारपीट हो गई। देखते ही देखते मारपीट चाकूबाजी में बदल गई। घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिनको जिला अस्पताल लाया गया। वहीं, इलाज के दौरान एक कांवड़िए की मौत हो गई, जबकि दो का इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। वहीं, हमलावर हरदोई का रहने वाला है, जो मौके से फरार हो गया। अब मसौली पुलिस ने हरदोई पुलिस से संपर्क साधा है। मामला मसौली के ग्राम भयारा के पास का है। शुक्रवार की सुबह हरदोई की एक कांवड़ियों की टोली मसौली थाना के भयारा मोड़ के आगे पहुंची। टोली में शामिल हरदोई के कासिमपुर के पलिया गोपालपुर का निवासी अमित कुमार (१८) कभी आगे कभी बीच हाईवे पर चलने लगा। इसका टोली में शामिल विवेक मिश्रा ने विरोध किया। तभी अमित ने चाकू से विवेक पर हमला कर दिया। उसे बचाने के दौरान राकेश व विपिन के भी चाकू लग गया। घटना की जानकारी होते ही आनन–फानन में पहुंची मसौली पुलिस ने पीआरवी की मदद से तीनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। यहां पलिया गोपालपुर के विपिन(३०) पुत्र ओमप्रकाश यादव की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हरदोई के ही थाना कासिमपुर के घुसपाहा के विवेक मिश्रा पुत्र रामदास व राकेश कुमार पुत्र रामदास को

जिला अस्पताल से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना में एक ही समूह के तीन लोग घायल हो गए थे। विपिन नामक युवक की मौत हो गई। दो घायल हैं, जिन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। अभियुक्त अमित घटना के बाद फरार हो गया है, जिसकी तलाश जारी है। एसपी यमुना प्रसाद ने बताया कि कांवड़ियों के समूह में आगे चलने को लेकर पूरा विवाद हुआ था। साथी कांवड़िए ने ही चाकू से हमला किया, जिससे एक की मौत हो गई है। दो लोग घायल हैं। हमलावर समूह में बार–बार आगे पीछे कर रहा था, जिसे उसके साथियों ने मना करते हुए समूह के साथ रहने के लिए कहा था। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी डा. आदर्श सिंह और एसपी यमुना प्रसाद ने तीन मार्च को मेला परिसर का निरीक्षण किया था। गुरुवार को एडीएम संदीप गुप्ता और एएसपी अवधेश सिंह भी पहुंचे थे। इस दौरान कानून व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए थे। भयारा के पास बने पिकेट पर मौजूद रहने वाली पीआरवी भी नदारद थी, जबकि पेट्रोलिंग के निर्देश दिए गए थे। अगर पेट्रोलिंग की जा रही होती तो शायद वारदात न होती। मेला के दौरान इस वारदात के बाद प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं।

पत्नी की मौत के बाद पति ने अस्पताल में लगाई फांसी

फतेहपुर । चांदपुर कस्बा निवासी ३२ वर्षीय वंदना देवी का गुरुवार को अपने पति के साथ कामकाज को लेकर झगड़ा हो गया था। झगड़े से आहत पत्नी ने उसी समय आत्मदाह का प्रयास किया तो पति विशाल उर्फ छोट्टन आग बुझाने के लिए दौड़ पड़ा। इसमें वह भी झुलस गया था। चीख सुनकर स्वजन ने आकर देखा उसके बाद दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने वंदना को मृत घोषित कर दिया। बता दें कि वंदना और विशाल का डेढ़ वर्षीय पुत्र वाशु भी है। हालांकि देर रात चिकित्सक पुष्कर कटियार व डॉ. धर्मेंद्र ने विशाल को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था लेकिन वह फतेहपुर अस्पताल नहीं आया। बीती रात दो बजे के करीब डॉक्टर व फार्मासिस्ट कहीं चले गए, उस बीच आग से झुलसे विशाल ने बेड के चद्दर से इमरजेंसी कक्ष में ही लगे पंखे में फांसी लगा ली। भोर पहर ड्यूटी

में लगे सिपाही दीपक पाल व होमगार्ड जवान राकेश कुमार ने फंदे में लटके शव को देखा तो खलबली मच गई। सिपाही ने पुलिस को सूचना दी। एसओ दीनदयाल सिंह ने कहा कि सीएचसी के इमरजेंसी कक्ष में स्वास्थ्य कर्मियों व ड्यूटीरत सिपाहियों को चकमा देकर किस तरह से मरीज ने फांसी लगाई है, उसकी जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। दिवंगत बेटी वंदना की मौत के बाद दामाद विशाल के खुदकुशी की सूचना मिलते बाराबंकी जिले के गढ़ी से आए नाना भगौतीप्रसाद व मामा प्रभात कुमार सीधे चांदपुर कस्बा बेटी के ससुराल पहुंचे। वहां से अपने डेढ़ वर्षीय नाती वाशु को लेकर बाराबंकी चले गए। दिवंगत विशाल के भाई सत्यनारायण ने बताया कि पूरे घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। डॉ. पुष्कर कटियार व डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि विशाल को रेफर करने के बाद वह रात एक बजे अपने कमरे में आराम करने चले गए थे। ड्यूटी में सिपाही व होमगार्ड लगे थे। अनुमान है कि इसी दौरान विशाल ने फांसी लगा ली। उधर स्वीपर सैयादीन व फार्मासिस्ट इदरीश का कहना था कि नींद आने पर वह भी सो गए थे।

छह मार्च को दिल्ली के सभी प्रवेश मार्गों को जाम करेगा संयुक्त किसान मोर्चा

लखनऊ। छह मार्च को दिल्ली के सभी प्रवेश मार्गों को जाम करेगा संयुक्त किसान मोर्चा, ११ से ४ बजे तक रोके जाएंगे रास्ते' संयुक्त किसान मोर्चा छह मार्च को दिल्ली के सभी प्रवेश मार्ग पांच घंटे के लिए जाम करेगा। यह एलान मोर्चा के लीगल पैनल ने चंडीगढ़ में किया। संयुक्त किसान मोर्चा के लीगल पैनल सदस्यों ने शुक्रवार को चंडीगढ़ के सेक्टर ३५ के किसान भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के सभी प्रवेश मार्गों को ५ घंटे के लिए जाम करने का एलान किया। उन्होंने कहा कि छह मार्च को सुबह ११ बजे से लेकर ४ बजे तक दिल्ली में प्रवेश के सभी रास्तों को जाम किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में दिल्ली सिंघु बॉर्डर से लीगल पैनल के चार सदस्य रमिंदर सिंह, इंदरजीत सिंह, हरपाल सिंह और धरमिंदर मलिक पहुंचे। हाईकोर्ट के वकील प्रेम सिंह भंगू की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी ने कृषि कानून रद्द करने, गिरफ्तार किसानों को रिहा करने, झूठे मुकद्मे वापस लेने और न्यायिक जांच करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि देशभर के डेढ़ सौ से ज्यादा वकील गिरफ्तार किसानों को निशुल्क कानूनी सहायता देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक १५१ किसानों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

केजीएमयू का हाल निराला : ट्रामा सेंटर में हर मर्ज का एक ही इलाज सिर्फ ग्लूकोज की बोतल

लखनऊ । किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के ट्रामा सेंटर पहुंचने वाले मरीजों की बदहाली का अंदाजा सिर्फ इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां पर हर मरीज का सिर्फ एक ही इलाज किया जाता है, वह है ग्लूकोज की बोतल। अगर कोई भी गंभीर मरीज यहां पर आता है तो पैरामेडिकल स्टाफ उसे एक ग्लूकोज की बोतल लगा देते हैं। मरीज ४८ से लेकर ७२ घंटे तक स्ट्रेचर पर ही पड़ा रहता है। ज्यादातर मरीजों को देखने के लिए कोई डाक्टर नहीं आता है। ऐसे में मरीज को दो–तीन दिनों तक स्ट्रेचर पर पड़े डाक्टर का इंतजार करना ही पड़ता है। मरीजों की मुश्किलें सिर्फ यहीं खत्म नहीं हो जाती, बल्कि ग्लूकोज की बोतल पकड़ने के लिए भी उनके पास एक तीमारदार का हमेशा मौजूद रहना जरूरी होता है। अगर कोई नहीं है तो मरीज को ग्लूकोज की बोतल खुद ही अपने हाथ से ऊपर टांगे रहना होता है। थक जाने पर बहुत से मरीज ग्लूकोज की बोतल अपने पेट पर ही रख लेते हैं। ग्लूकोज उनके शरीर में पहुंच

रहा है या नहीं इससे किसी भी पैरामेडिकल स्टाफ व डाक्टर को कोई मतलब नहीं होता है। वहीं स्ट्रेचर पर पड़ा मरीज अपनी दर्द भरी निगाहों से डाक्टर के इंतजार में कराहता रहता है। केस–१: सीतापुर से आए ५० वर्षीय लज्जाराम चार–पांच दिनों पहले छत से गिर गए थे। परिवारजन शनिवार को उन्हें केजीएमयू के ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे। तब से वह सिर्फ ग्लूकोज के सहारे स्ट्रेचर पर पड़े हैं। बोतल पकड़ने के लिए उनका बेटा साथ में खड़ा रहता है। लज्जाराम ने बताया कि बुधवार को दोपहर तक उन्हें किसी ने नहीं देखा और वह स्ट्रेचर पर ही पड़े रहे। केस–२: लखनऊ के कैसरबाग निवासी शराफत अली का पैर का पहले आपरेशन हुआ था। चार दिन पहले वह फिर फिसल कर गिर गए। इससे उनका पैर दोबारा टूट गया। दर्द से कराहते हुए सोमवार को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर पहुंचे। पैरामेडिकल स्टाफ बोतल व डिप लगाकर चला गया। उनकी बेटी बोतल पकड़ने के लिए साथ है। शराफत ने बताया कि बुधवार तक उन्हें किसी डाक्टर ने नहीं देखा।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की राजनीतिक विचार धारा पर एमिटी विवि में व्याख्यान का आयोजन

लखनऊ। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की १२५ वीं जयंती समारोह वर्ष के अवसर पर एमिटी स्कूल अफ लैंग्वेजेज (एएलएस), एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ परिसर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की राजनीतिक विचारधारा पर आज एक अनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम अनलाइन मोड पर आयोजित किया गया था जिसमें निदेशक एमिटी स्कूल अफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, प्रो. जगबीर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत करते हुए, प्रो. कुमकुम रे, निदेशिका एएलएस ने प्रसिद्ध गीत कदम–कदम बढ़ाए जा ' को उद्धृत करते हुए कहा कि यह अफसोस की बात है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृतियों को इतिहास की किताबों और यादों से मिटाने का प्रयास किया गया। भले ही विक्टोरिया मेमोरियल, कलकत्ता में उनके जीवन से जुडी प्रदर्शनी हों, भले ही वह विश्व स्तरीय टाइम मैगजीन का चेहरा हों, लेकिन यह इस मुद्दे को हल नहीं करता है कि भारतीय धीरे–धीरे उन्हें क्यों भूल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नेताजी बराबर की लड़ाई में विश्वास करते थे, नेताजी ने राष्ट्र को जीवित रखने के लिए युवाओं को संदेश दिया था – स्वतंत्रता की रक्षा के लिए जो असंख्य बलिदानों पर आधारित है उसकी रक्षा के लिए हमेशा दृढ़ रहना होगा। प्रो कुमकुम रे ने कहा कि हमें नेताजी के करीबियों और उनकी मां, पत्नी और बेटी के योगदानों को भी याद रखना चाहिए। स्वतंत्र भारत के लोगों को नेताजी के सशक्त शब्दों को याद रखना चाहिए – हिंदुस्तान का सर आसमान में उठाए जा। मुख्य अतिथि प्रो जगबीर सिंह ने कहा कि जैसा कि वर्तमान राजनीतिक परिश्य और आधुनिक विचारधारा के समय में चर्चा के दौरान यह साफ हो जाता है कि इतिहास में भारत के अस्तित्व को बचाने और बढ़ाने में किसने अधिक प्रभावी योगदान दिया है। आप सच को अधिक समय तक छुपाकर नहीं रख सकते। प्रो जगबीर ने यह भी चर्चा की कि आजादी के बाद भी नेताजी के विचार उतने ही प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हैं जितने कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान थे। प्रो. जगबीर ने महात्मा गांधी और नेताजी के बीच उनके प्रारंभिक जीवन, निर्वासन और विभाजन पर भी चर्चा की। अंत में, उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिए गए संदेशों में से कुछ को साझा किय। उन्होंने बताया कि नेताजी ने कहा था 'एक व्यक्ति राष्ट्र के लिए अपने विचारों के खातिर मर सकता है, लेकिन यह विचार उसकी मृत्यु के बाद, हजारों जीवन में खुद को जीवित रखेगा। कार्यक्रम के दौरान एएसएल की सोनम श्रीवास्तव द्वारा नेताजी के जीवन, उनकी राजनीतिक उपलब्धियों और नीतियों, उनके विचारों पर आधारित एक पावर पइंट प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ परिसर के विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया जिसमें से आठ प्रतिभागियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर तैयार किए वृत्तचित्र प्रस्तुत किए। अंत में प्रियांशी श्रीवास्तव, फैकल्टी एएसएल द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मेरठ में सुदखोर ने महिला को दी धमकी

मेरठ । मेरठ में एक महिला को सूदखोर ने उसकी बेटी के अपहरण की धमकी दे डाली। जिसकी वजह से महिला व उसके परिवार के लोग दहशत में आ गए। जब थाने पहुंचकर इसकी शिकायत महिला ने की तो आरोप है कि पुलिस से साठगांठ कर महिला को देर रात थाने बुलाकर प्रताड़ित भी किया। महिला ने जानकारी देते हुए कहा कि सूदखोर पैसे नहीं देने पर उसकी बेटी के अपहरण की धमकी दे रहा है। महिला ने मामले की शिकायत दिवस अधिकारी से की है। जिसपर दिवस अधिकारी एसपी ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। मूल रूप से इंचौली थाना क्षेत्र के लावड़ निवासी महिला पति से विवाद होने के चलते गंगानगर स्थित एक कालोनी में किराए के मकान में रहती है। महिला के पति ने गांव के प्रधान व अन्य लोगों से कुछ रुपए उधार लिए थे। आरोप है कि पति द्वारा पैसे नहीं देने पर सूदखोर महिला व उसके बच्चों को परेशान कर रहे है। बताया कि पैसे नहीं देने पर वे उसकी बेटी का उठवाने की धमकी दे रहे हैं। गुरुवार रात उन्होंने गंगानगर पुलिस से साठगांठ कर महिला को घर से उठवा लिया। पुलिस के साथ मिलकर उन्होंने महिला को थाने में प्रताड़ित किया। इतना ही नहीं दुस्साहस दिखाते हुए उसने महिला की बेटी के अपहरण की भी धमकी दी है। दिवस अधिकारी एसपी क्राइम ने संबंधित थाने को मामले में जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

कानपुर सेंट्रल पर मिले १.४० करोड़ रुपये की दावेदारी में क्यों हुआ विलंब

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के पेंट्रीकार में मिले १.४० करोड़ रुपये कानपुर से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मचा चुके हैं, लेकिन १३ दिनों तक कोई सामने नहीं आया। विधि विशेषज्ञ इसके पीछे का कारण भी बताते हैं। उनके मुताबिक यह सोची समझी रणनीति है। रुपये कहीं कानूनी दांवपेंच में न फंस जाएं इसलिए मामले में आयकर

विभाग के शामिल होने तक दावेदार शांत रहे। चूंकि कोर्ट के बजाय आयकर विभाग से रुपये लेना आसान है, इसलिए अब जब आयकर विभाग ने रुपये बैंक में जमा करा दिए तो रुपयों पर दावा कर दिया गया। आइये आपको भी बताते हैं, क्या है कानूनी दांवपेच। दिल्ली से जय नगर जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के पेंट्रीकार में १५ फरवरी की रात २:५१ बजे १.४० करोड़ रुपये से भरा बैग मिला था। फिर शक होने पर बैग खोला गया तो रुपये थे। रुपयों की गिनती कराने के बाद बैग सीलकर जीआरपी को सौंप दिया गया। जीआरपी ने लावारिस में मिले बैग की फर्द बनाई और मालखाने में जमा कर आयकर विभाग को सूचना दे दी।

उपभोक्ता परिषद ने मंहगी बिजली को लेकर मंत्री को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उपभोक्ताओं को भी अन्य राज्यों की तरह सस्ती बिजली देने की मांग उठने लगी है। यह मांग राज्य उपभोक्ता परिषद की तरफ से उठाई गई है। इस संबंध में उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा से

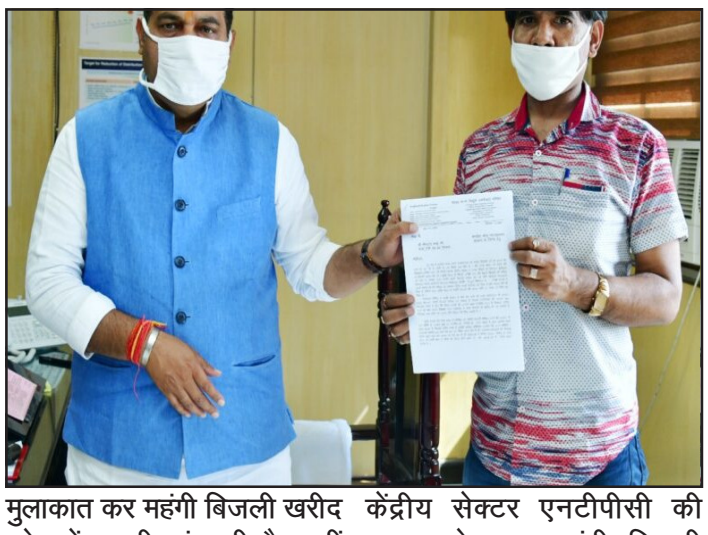

मुलाकात कर महंगी बिजली खरीद को सरेंडर की मांग की है। वहीं उपभोक्ता परिषद के इस पहल से निजी घरानों और एनटीपीसी में हड़कंप मच गया है। उन्हे डर है कि कहीं प्रदेश में महंगी बिजली खरीद पर रोक न लग जाए। अवधेश कुमार वर्मा ने बताया कि पूर्व में पूरे देश में एमओयू रुट के जो प्रोजेक्ट निजी व सरकार के अधीन स्थापित किए गए हैं, उनकी महंगी बिजली की वजह से उपभोक्ताओं की बिजली दर लगातार बढ़ रही है। जिससे देश के कई राज्यों ने अपनी महंगी बिजली खरीद को सरेंडर कर दिया है। वर्ष २०१६ के बाद उत्तर प्रदेश के अलावा कई राज्यों की दर्जनों बिजली कम्पनियों ने अब तक केंद्रीय सेक्टर एनटीपीसी की ५,७५० मेगावाट महंगी बिजली सरेंडर कर दी है। उसी आधार पर प्रदेश में उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिले उपभोक्ता परिषद ने एक अध्ययन रिपोर्ट तैयार की। जिसको लेकर परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्रीकांत शर्मा से शक्तिभवन उनके कार्यालय में मुलाकात की।

जान जोखिम में डालकर लाइन को करते हैं दुरुस्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पवर कार्पोरेशन के मध्यांचल डिस्काम के लेसा में मैन पवर सप्लाई कंपनियों और अभियंताओं की मनमानी चरम पर है। लेसा के कई ऐसे खंड हैं, जहां पर कंपनी के कर्मचारियों और अभियंताओं की मिलीभगत से बिना आईटीआई के ही निविदा कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी गई है। इतना ही नहीं, नन आईटीआई तो छोड़िये कुछ जगहों पर तो नाबालिग लड़कों की नियुक्ति कर दी जाती है। इन कर्मचारियों की तैनाती हवा–हवाई नहीं बल्कि कंपनी और अधिकारियों की पूरी जांच पड़ताल यानि की दस्तावेजों के साथ की जाती है। जिसमे दोनों की ही जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। वहीं सवाल खड़े हो रहे हैं कि नन आईटीआई, और नाबालिग निविदा कर्मी के साथ किसी भी तरह की अन्होनी हो जाए तो किसकी जिम्मेदारी होगी। उस दौरान तो देखा जाता है कि अधिकारी और कंपनी दोनों ही पल्ला झाड़कर किनारे हो जाते हैं। लेसा के ऐशबाग डिवीजन में नान आईटीआई और नाबालिग कर्मचारियों की की तैनाती के मामले सामने आए हैं। यहां पर प्राइम वन कंपनी द्वारा नान आईटीआई सागर और अजय की तैनाती कर दी गई है। मीडिया में इस बात की जानकारी होने के

बाद से खंडीय स्तर के अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। कारण है कि इन कर्मचारियों की जानकारी के बाद ही इन दोनों लड़कों की नियुक्ति की गई है। वहीं सूत्रों के अनुसार जांच करने पर करीब ५० फीसदी संविदा कर्मी ऐसे मिल जाएंगे, जो कि बिना आईटीआई के ही तैनाती हो गए हैं। निविदा कर्मचारी संघ के मजदूर नेताओं ने बताया कि लेसा ही नहीं पवर कार्पोरेशन के सभी डिस्कामों में बड़े स्तर पर बिना आईटीआई पास ही लड़कों को रख लिया जाता है। तैनाती के दौरान जब दबाव बनता है कि फर्जी तरीके से प्रमाणपत्रों को बनाकर पेश कर दिया जाता है। इतना ही नहीं लड़कों की नियुक्ति के दौरान कंपनी और अधिकारियों द्वारा मोटी कमीशन भी वसूली की जाती है। उत्तर प्रदेश पवर कार्पोरेशन के सभी डिस्कामों में कुछ ऐसे मामले देखने को मिल जाते हैं, जिसमे संविदा कर्मी जान को जोखिम में डालकर काम करते हुए नजर आ जाएंगे। शुक्रवार को सेस एक के बंथरा से कुछ ऐसी ही तस्वीर सामने आई, जहां पर संविदा कर्मी जान को जोखिम में डालकर बिना सुरक्षा उपकरणों के ही लाइन को दुरस्त कर रहा था। फोटो सोशल मीडिया में आने के बाद हरकत में आए अधिकारियों ने मौके पर पहुंच, संविदा कर्मी को खंभे से उतारकर हिदायत दी। बिना आईटीआई के किसी को भी नहीं रखा जाएगा। मामला सामने आया है जांच कराके, दोषियों पर कार्रवाई होगी। मधुकर वर्मा, मुख्य अभियंता सीस गोमती।

गोरखपुर में नर्तकी को अगवा कर दुष्कर्म करने वाले गिरफ्तार

गोरखपुर । नाबालिग नर्तकी को अगवा कर दुष्कर्म करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सर्विलांस व सीसी कैमरे की फुटेज से पहचान होने के बाद गुरुवार की भोर तक उनकी तलाश में छापेमारी चली। आरोपित पीड़ित के पड़ोस में रहते हैं। शाहपुर पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पीड़ित की फरियाद न सुनने वाले पूर्व चौकी प्रभारी, सिपाही व वीडियो वायरल करने वाले नेताओं पर दर्ज हुए मुकदमे में पाक्सो एक्ट की धारा २१/२३ बढ़ा दी गई है। सर्विलांस व सीसी कैमरे की फुटेज देखने पर पता चला कि पड़ोस में रहने वाले बाइक सवार तीन युवकों ने किशोरी को रेलवे लाइन के पास अकेला पाकर अगवा कर लिया था। बौलिया कालोनी के खाली मकान में लाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद छोड़कर फरार हो गए। मंगलवार की शाम पीड़ित को घर से लेकर निकला रवि रात आठ बजे तक किशोरी को अपने साथ लेकर घूमता रहा। पानी में बीयर मिलाकर पिलाने के बाद उसने फिर दुष्कर्म का प्रयास किया था। विरोध करने पर रेलवे लाइन किनारे छोड़कर चला गया। जहां से पीड़ित घर लौट रही थी और पड़ोस में रहने वाले युवकों ने अगवा कर लिया। किशोरी की मां ने एक नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गुरुवार को मेडिकल कालेज में पीड़ित का मेडिकल हुआ। शुक्रवार को जिला बाल संरक्षण अधिकारी की देखरेख में पुलिस कोर्ट में पीड़ित का बयान दर्ज कराया। पुलिस को दिए बयान में पीड़ित किशोरी ने बताया था कि वह घर से पार्टी में डांस करने के लिए गई थी। जहां से अपनी सहेलियों के साथ पैदल घर लौट रही थी। बौलिया कालोनी में सहेलियों का साथ छूट गया और सुनसान स्थान पर बाइक सवार तीन युवकों ने अगवा कर लिया। खाली मकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस की जांच में पता चला कि किशोरी पार्टी में नहीं गई थी। झूठ बोलकर रवि उसे अपने साथ ले गया था।

पूर्व सांसद धनजंय सिंह ने इलाहाबाद कोर्ट में किया सरेंडर, भेजे गए नैनी सेंट्रल जेल

लखनऊ। अजीत सिंह हत्याकांड के आरोपी जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने शुक्रवार सुबह प्रयागराज के एमपी एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। गौरतलब है कि राजधानी में अजीत सिंह हत्याकांड में फरार जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर कमिश्नरेट पुलिस ने २५ हजार का ईनाम घोषित किया था। बृहस्पतिवार को डीसीपी

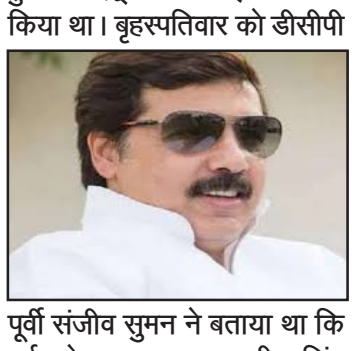

पूर्वी संजीव सुमन ने बताया था कि पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख अजीत सिंह की हत्या के मामले में पूर्व सांसद साजिश करने के आरोपी हैं। बताया जा रहा है कि लखनऊ पुलिस प्रयागराज रवाना हो गई है, जहां इसे रिमांड पर लेने की बात कही जा रही है। वहीं २०१७ में खुटहन में हुए एक मामले में पूर्व सांसद ने जमानत तुड़वा कर सरेंडर किया है। १४ न्यायिक अभिरक्षा में नैनी सेंट्रल जेल भेजे गए। एक अप्रैल को मामले की अगली सुनवाई होगी। डीसीपी पूर्वी संजीव सुमन के मुताबिक, अजीत हत्याकांड में पूर्व सांसद के खिलाफ कोर्ट से गैरजमानती वारंट हासिल करने के बाद तलाश तेज कर दी थी। बुधवार रात को पुलिस ने लखनऊ में उनके चार ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन पूर्व सांसद नहीं मिले। पुलिस ने इन ठिकानों से तीन लोगों को हिरासत में ले लिया था। पूछताछ के बाद इन्हें छोड़ दिया गया था। पूर्व सांसद के पिता और रारी के पूर्व विधायक राजदेव सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बेटे के सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्हें आशंका है कि पुलिस की लगातार विधि विरुद्ध कार्रवाई से बेटे की जान को खतरा है। पूर्व विधायक राजदेव सिंह ने शहर के कालीकुत्ती स्थित आवास पर पत्रकारों से कहा कि पूर्व सांसद धनंजय सिंह को गलत तरीके से मुकदमों में वांछित दिखाकर जनता में छवि धूमिल करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। उन पर अवैध संपत्ति अर्जित करने की अर्नगल बातें की जा रही हैं। जिस मुकदमे में आरोपी गिरफ्तारी के बयान के आधार पर पूर्व सांसद की संलिप्तता जाहिर की जा रही है, वह बयान पुलिस ने लिया है। पुलिस की ओर से लिया गया बयान साक्ष्य में ग्रहण योग्य नहीं होता। उन्होंने कहा कि धनंजय सिंह ने अक्तूबर २०२० में हुए मल्हनी विधानसभा के उपचुनाव में अपनी संपूर्ण संपत्तियों का विवरण दिया है। यह समाचार पत्रों में प्रकाशित भी हुआ था। धनंजय सिंह के पास चुनाव में घोषित संपत्ति के अतिरिक्त अन्य कोई भी संपत्ति नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हमारी मांग है कि पुलिस की विधि विरुद्ध कार्रवाई और दुष्प्रचार पर रोक लगाएं। अनावश्यक रूप से छवि धूमिल करने की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए।

यूपी के १४ शहरों की बदलेगी शक्ल–ओ–सूरत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक नगरी वाराणसी और रामनगरी अयोध्या की सूरत बदलने में लगी योगी सरकार जल्द ही राज्य के १४ बड़े शहरों का विकास करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन बड़े शहरों में बढ़ती आबादी, बढ़ते मकान, बढ़ती कार–स्कूटर तथा भविष्य की जरूरतों का संज्ञान लेते हुए मास्टर प्लान में परिवर्तन करने की अनुमति दी है जिसके तहत अब लखनऊ सहित सूबे के १४ बड़े शहरों का नया मास्टर प्लान (सिटी डेवलपमेंट प्लान) बनेगा। इसके अलावा कुछ शहरों के मास्टर प्लान में संशोधन किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि नए तैयार किए जाने वाले मास्टर प्लान में ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाले स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के कार्य कराने तथा तालाबों, जलाशयों, झीलों आदि को शामिल करने के साथ ही वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, रिजर्व फरेस्ट, पर्यावरण एवं वन और अन्य संरक्षित क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इन बड़े शहरों का सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार कराने के लिए आवास विभाग में कंसल्टेंट का चयन करने की कवायद शुरु हो गई है।उन्होंने बताया कि लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, आगरा, मथुरा, बरेली, मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद और गौतमबुद्धनगर (नोयडा) का भविष्य की जरुरतों के आधार पर कायाकल्प कराना मुख्यमंत्री की बेहद ही महत्वकांक्षी योजना है। विकास के साथ ही इन शहरों की ऐतिहासिक धरोहरों का सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण कार्य कराए जाने से यह शहर खूबसूरत दिखेंगे जिसके चलते इन शहरों में पर्यटन कारोबार में इजाफा होगा। लोगों को रोजगार मिलेगा। इस सोच के आधार पर ही मुख्यमंत्री ने उक्त शहरों का सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार कराने के निर्देश दिए। आवास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री के

निर्देशानुसार उक्त शहरों के तैयार किये जाने वाले मास्टर प्लान में नए सिरे से शहरों के तमाम क्षेत्रों का भू उपयोग निर्धारित होगा। इसके लिए जरुरी कार्यवाही शुरु कर दी गई। मास्टर प्लान तैयार करने में शहरों में मौजूदा जरूरतों के हिसाब से भू उपयोग निर्धारित किया जाएगा। नदियों, हवाई अड्डा, बस स्टैंड, सैन्य क्षेत्रों सहित तमाम चीजों को मास्टर प्लान में प्रदर्शित किया जाएगा। नया मास्टर प्लान जीआईएस आधारित होगा। इस संबंध में सचिव आवास की अध्यक्षता में बनी समिति मास्टर प्लान में जरूरत के हिसाब से नई चीजें जोड़ने के लिए प्रस्ताव तैयार करेगी। नए मास्टर प्लान में क्षेत्रीय विकास की योजनाओं को भी शामिल करने का निर्देश दिया है ताकि संबंधित शहरों को आने वाले दिनों में किसी तरह की दिक्कत न हो। यहीं नहीं १४ बड़े शहरों के लिए तैयार किये जाने वाले मास्टर प्लान में इन शहरों में सेना की फायरिंग रेंज को खतरनाक क्षेत्र के रूप में घोषित किया जाएगा। वर्तमान जरूरतों के हिसाब से नए औद्योगिक क्षेत्र, बस अड्डे, मास्टर प्लान रोड तथा वाटर वर्क्स व एसटीपी, कूड़ा निस्तारण केंद्र सहित अन्य तमाम चीजें भी मास्टर प्लान में चिंहित होंगी। सूत्रों ने बताया कि शहरों में जिन लोगों ने लैंड यूज के विरुद्ध निर्माण कराएं हैं, उनका समायोजन मास्टर प्लान में शासनादेश के मुताबिक ही हो पाएगा। मास्टर प्लान में नदी तटबंध के निर्माण की दशा में नदी किनारे को तटबंध के रूप में ही प्रस्तावित होंगे।

सही ज्ञान प्राप्त करने के लिए पुस्तकें ही प्रामाणिकः डा.दिनेश शर्मा

इंटरनेट से हो रहा भाषा ज्ञान अवरुद्धरू डा.दाऊजी गुप्ता

लखनऊ, ५ मार्च। आनलाइन सिस्टम में आज हम काफी आगे बढ़ चुके हैं। फिर भी आजकल एक और चुनौती खड़ी हो गई है। पुस्तकें नहीं लिखी जाएंगी तो इंटरनेट के लिए सामग्री कहां से आएगी! इसलिए लेखन आवश्यक है और फिर प्रकाशन भी और आगे पाठक भी। ज्ञान प्राप्त करने के लिए किताबें ही प्रामाणिक माध्यम आज भी हैं। ये उद्गार लखनऊ पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री डा.दिनेश शर्मा ने व्यक्त किए। चारबाग स्थित बाल संग्रहालय लान में आज से १४ मार्च तक चलने वाला तथा आत्मनिर्भर भारत थीम पर केन्द्रित लखनऊ पुस्तक मेला मेला प्रारम्भ हो गया। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित डा.शर्मा ने कि मेरे लिए पुस्तक मेले का एक अलग आकर्षण रहा है। मैं २००६ से पुस्तक मेले में आ रहा हूं। यहां उमड़ने वाले भीड़ हमेशा मुझे संतोष के साथ गर्व का अनुभव कराती है कि हमारे नगर में बुद्धिजीवी वर्ग है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट संचालित माध्यमों के वर्तमान दौर में जानकारी बहुत जल्द मिल जाती है। कोरोना काल में हमने आनलाइन शिक्षा को करीब से देखा और कण्टेंट अपलोड कराया है। पुस्तकों की महत्ता कभी नहीं खत्म होने वाली। मेले की थीम आत्मनिर्भर भारत की चर्चा करने के साथ उन्होंने कहा कि ऐसे पुस्तक मेलों में आकर पता चलता है कि वास्तव दुनिया में कितना विस्तृत ज्ञान है। इस अवसर पर

उन्होंने एक पत्रिका 'सिटी एसेन्स' का विमोचन भी किया। उद्घाटन समारोह में अध्यक्षता कर रहे पूर्व मेयर डा.दाऊजी गुप्ता ने भी पुस्तकों के महत्व पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इंटरनेट पर हरदम सही जानकारी नहीं मिलती। इससे आज मोबाइल फोन में संसार सिमट आया है पर हो रहा है। भारतीय भाषाओं की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि आक्सफोर्ड डिक्शनरी के ४० लाख शब्दों में पांच लाख शब्द संस्कृत के हैं। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए संयोजक मनोज सिंह चंदेल ने नवाबी शहर में लगभग दो दशक पुरानी पुस्तक मेलों की परम्परा का जिक्र क्रमशः होते बदलाव के साथ किया और कहा कि हमारे लिए मीडिया का सहयोग हमेशा अहम रहा है। अफसोस यह है कि पिछले साल कोविड–१६ के दुरूह काल के कारण तय होने के बावजूद कोई भी मेला नहीं हो पाया पर प्रसन्नता की बात है अब नियमों में ढील होने के कारण यह मेला आयोजित हुआ है। यहां संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता बाबू रामजी दास, प्रदेश ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष टीपी हवेलिया ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर मंच पर आप्टीकुम्भ के मिशन लीडर ऋषभ रस्तोगी, विश्वम के यूपी त्रिपाठी व विशाल श्रीवास्तवव निदेशक आकर्ष चंदेल भी मंच पर उपस्थित थे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही युगल कथक नृत्यांगना ईशा रतन–मीशा रतन ने ईश वंदना प्रस्तुत की। मेले में ओसवाल पब्लिशर्स, सुल्तान चंद, प्रकाशन संस्थान, राजकमल, लोकभारती, नेशनल बुक ट्रस्ट, वाणी प्रकाशन, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, प्रकाशन विभाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, सिंधी भाषा राष्ट्रीय परिषद, उर्दू भाषा राष्ट्रीय परिषद, चल्टन बुक ट्रस्ट, श्रीरामेंष्ण मिशन, तर्कसंगत विचार कैफे आदि अनेक प्रकाशनों के साहित्यिक, शैक्षिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के संग विविध विषयों की किताबों के लगभग सौ स्टाल हैं। मेले को आकाशवाणी, लखनऊ स्मार्ट सिटी, मिशन गंगा, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट, नगर निगम का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। मेले में किताबों के स्टालों पर युवाओं का उमड़ना मेले के उद्घाटन से पहले ही प्रारम्भ हो गया था। सुबह यहां विश्वम् फाउण्डेशन की गतिविधियों के विश्वम महोत्सव का आगाज हुआ। यहां के सांसेंतिक मंच पर युवाओं के लिए उनके लिए उपयोगी विविध साहित्य के साथ ही विविध गतिविधियों को इंटर–कॉलेज प्रतियोगिता, ओपन माइक सत्र, प्रदर्शनी टॉक शो इत्यादि का आयोजन भी किया जा रहा है। आज शाम यहां मंच पर शशि चक्रवर्ती के सांस्कृतिक दल का कार्यक्रम हुआ। मेले में महिला दिवस के अलावा ग्लूकोमा सप्ताह को ध्यान में रखते हुए ऑप्टीकुम्भ का भी आयोजन किया जा रहा है। मेले में स्थानीय लेखकों की पुस्तक प्रदर्शन व बिक्री के लिए अलग स्टाल रखा गया है। लखनऊ बुक फेयर २०२१ के एसोसिएट्स प्रसार भारती–आकाशवाणी, रेडियोसिटी, मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी, विजय स्टूडियो, अर्गेनिक इंडिया, किरण फाउण्डेशन, ज्वाइन हैण्ड्स फाउण्डेशन, ऑरिजिंस, सेफ एक्सप्रेस, विश्वम फाउण्डेशन, जकसन, समाग्रा, स्टार टेक्नोलजीज, चोकामोर हैं। दिनांक छह मार्च के कार्यक्रम ११.०० बजे – एसआरएम पब्लिक स्कूल के कार्यक्रम, १२.०० – बजे नृत्यांगन इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम, ०४.०० बजे – लेखक हमारे बीच कार्यक्रम, ०५.१५ बजे – पोस्टर कम्पटीशन, ०७.०० बजे – कवि सम्मेलन।

निविदा सूचना

राजकीय उ०प्र० सैनिक इण्टर कालेज, सरोजनी नगर लखनऊ।

सर्वासाधारण को सूचित किया जाता है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष **2020-2021** शैक्षिक सत्र में निःशुल्क यूनीफार्म वितरण हेतु कक्षा **6** से कक्षा **8** तक के छात्र/छात्राओं की यूनिफार्म आपूर्ति हेतु कपड़ा एवं सिलाई हेतु टेण्डर अलग–अलग बन्द लिफाफे में दिनांक– **10-03-2021** तक विद्यालय में निविदा फार्म स्वीकार किये जायेंगे।

जो दिनांक– **12-03-2020** को समय प्रातः **10** बजे से **12** बजे तक अद्योकस्ताक्षरी के समक्ष निविदा खोली जायेंगी, इसके पश्चात प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं जायेगा।

(रेनू सिंह)
प्रधानाचार्या
राजकीय उ०प्र० सैनिक इण्टर कालेज, सरोजनी नगर लखनऊ।

एटीएम में पैसे डालने का करता था काम, नियत बदली और ५५ लाख लेकर हो गया फरार

जयपुर। साइबर अपराधी लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए कुछ ना कुछ नया करते रहते हैं. लेकिन जब रखवाले ही चोरी करने लगे तो बात ही अलग है. कुछ ऐसा ही मामला राजधानी के जयपुर से सामने आया है. जानकारी के अनुसार पुलिस ने एटीएम में पैसे डालने वाले एक कर्मचारी के बारे में खुलासा किया है. कर्मचारी पर आरोप है कि वो पहले भी कई बार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चूका है. आरोपी कर्मचारी । एटीएम में डाले जाने वाले ५५ लाख रूपये लेकर फरार हो गया है. आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से फरार बताया जा रहा है. पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है. ।जानकारी के अनुसार आरोपी कंपनी में ही । एटीएम में पैसे डालने का काम करता है. वो ये काम पिछले कुछ समय से कर रहा है. पैसे गायब होने के बाद कंपन्नी के ही एक कर्मचारी ने बताया कि। एटीएम में पैसे डाले जाने पर, पैसे डालने वाले कर्मचारी के फोन पर एक मैसेज जाता है. जिसके बाद ही कर्मचारी पैसे डाल कर निकलता है. लेकिन इस मामले में आरोपी काफी शातिर निकला और उसने मैसेज आने पर भी । एटीएम में कुछ छेड़खानी कर दी जिस कारण हमें एरर बताया गया और आरोपी कर्मचारी पैसे लेकर उड़ गया. बताया जा रहा है कि पैसों की गड़बड़ी के बाद भी आरोपी लगातार काम पर आ रहा था. लेकिन जब आडिट का समय आया तो उसे घबराहट होने लगी. उसे पकड़े जाने का ड़र था. इसी कारण आरोपी अचानक से फरार हो गया . इसके साथ ही उसने अपना फोन भी बंद कर दिया, ताकि कोइ उससे कांटैक्ट नहीं कर सके. पुलिस को जब आरोपी पर शक हुआ को पुलिस उसका पता करने उसके घर चली गयी. लेकिन उसका भी पुलिस को कोई फायदा नहीं हुआ. पुलिस को उसके घर के बाहर ताले लटके मिले. पुलिस अब आरोपी की तलाश में जुट गयी है.

विस चुनावः अन्नाद्रमुक ने पहली सूची जारी की

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक ने आगामी छह अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के लिए अपने सहयोगियों के साथ सीट–साझाकरण वार्ता के बाद आज अपने छह उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। पार्टी ने मुख्यमंत्री ई के पलानीस्वामी को सेलम जिले में इडाप्पडी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार के तौर पर उतारा है और उपमुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम को थेणी जिले के बोडीनायाक्कानूर विधानसभा सीट पर उतारा है। पनीरसेल्वम और पलानीस्वामी ने जो पार्टी के समन्वयक और सह–समन्वयक हैं, ने अपने संयुक्त बयान में रयापुरम सीट से मंत्रियों में डी जयकुमार को फिर से नामित किया हैं, विलुप्पुरम से सी वी षणमुगम और विधायक एसपी षणमुगनाथन को श्रीवैकुंडम और एस थेनमाझी को निलाक्कोट्टई निर्वाचन क्षेत्र से उतारा है। पनीरसेल्वम सातवीं बार अपनी परंपरागत सीट इडाप्पडी से चुनाव लड़ेंगें। वह चार बार १९८६, १९९१, २०११ और २०१६ से चुनाव जीत चुके है और १९९६ तथा २००१ में इस विधानसभा सीट से चुनाव हार चुके हैं। पनीरसेल्वम बोडीनायाक्कानूर से चुनाव लड़ रहे हैं जहां से वह दो बार २०११ और २०१६ में चुनाव जीत चुके है। वह इससे पहले २००१ और २००६ में पेरियाकुलम से चुनाव जीत चुके हैं। जयकुमार चेन्नई शहर के रयपुरम के अपने गढ़ से फिर से चुनाव लड़ने की माँग करेंगे और इसी सीट से वह १९९१, २००१, २००६, २०११ और २०१६ में पाँच बार चुने गये। सत्तारूढ़ पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची अपने सहयोगियों के साथ सीट–साझाकरण वार्ता के बीच आज जारी की है। अभी तक अन्नाद्रमुक ने केवल २३ सीट आवंटित करते हुए पीएमके के साथ सीट–साझाकरण समझौते को अंतिम रूप दिया है, जबकि उसकी भाजपा, डीएमडीके, तृणमूल और एनजेपी सहित अन्य सहयोगियों के साथ सीट साझाकरण पर बातचीत चल रही है।

मासूम बच्ची परी को लगेगा 22 करोड़ का इंजेक्शन, पीएम मोदी से लगाई गुहार

गोरखपुर । गंभीर बीमारी स्पाइनल मस्कुलर एट्राफी (एसएमए) टाइप वन से जूझ रही मासूम परी का मामला प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है। अब उसका इलाज होने की उम्मीद बढ़ गई है। सदर सांसद रवि किशन ने परी की बीमारी के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर जानकारी दी है। सांसद के प्रतिनिधि समरेंद्र विक्रम सिंह शाहपुर के घोसीपुरवा स्थित मुक्तिनाथ के घर पहुंचे। उनकी साढ़े छह साल की बेटी गरिमा उर्फ परी इस बीमारी से जूझ रही है। उन्होंने परी के स्वजन से बात कर सांसद को पूरी जानकारी दी। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सांसद ने कहा है कि मुंबई की तीरा कामत की तरह परी को भी मदद की दरकार है। परी के इलाज में लगने वाला इंजेक्शन उन्होंने इस रकम को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दिलाने की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में सांसद ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन राहत कोष से आर्थिक मदद करने की अपील की है। समरेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि जल्द ही परी के इलाज के कागजात को लेकर सांसद प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत तौर पर मिलेंगे। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी एक लाख में एक बच्चे को होती है। इस बीमारी का इलाज बेहद महंगा है। इसमें जीन थेरेपी होती है। विश्व के चंद अस्पतालों में इसका इलाज होता है। इस बीमारी के इलाज में ही १६ करोड़ का जोल्जनसमा इंजेक्शन लगता है। आयात टैक्स लेकर इसकी कीमत लगभग २२ करोड़ रुपये हो जाती है। इसे स्विट्जरलैंड की नोवार्टिस कंपनी बनाती है। मुंबई के एसआरसीसी अस्पताल में भर्ती तीरा कामत को यह इंजेक्शन लगना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंजेक्शन पर लगे टैक्स को माफ कर दिया है।

सिद्धारामैया ने मोदी से नि : शुल्क टीकाकरण कराने का किया आग्रह

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता सिद्धारामैया ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रत्येक देशवासी को कोरोना वायरस (कोविड–१९) के संक्रमण के खतरे से निजात दिलाने के लिए निरूशुल्क टीका उपलब्ध कराने का आग्रह किया। सिद्धारामैया ने प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में कहा है कि इस महामारी के फैलने के कारण पूरा देश तरह–तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस महामारी के कारण देश के लाखों लोगों की आजीविका खत्म हो गयी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों का पूरा कर्तव्य बनता है कि इस कठिन दौर से गुजर रहे देशवासियों की सहायता के आगे आएं। उन्होंने कहा, टीकों के विकास ने सभी को आशा जगाई हैं और सभी को टीके उपलब्ध कराने की आवश्यक है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वैक्सीन के संचालन के लिए

निजी स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों को २५० रुपये देने की अनुमति देने का निर्णय हर किसी के लिए प्रतिरक्षा सुनिश्चित करने और इसके प्रसार को प्रभावित करने के प्रयासों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि ७० फीसदी से अधिक आबादी को टीके की कीमत वहन करना मुश्किल होगा और उन तक टीका नहीं पहुंच पायेगा। उन्होंने कहा कि ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन सहित दुनिया भर के कई देशों ने कोविड–१९ के टीके निरूशुल्क उपलब्ध कराये हैं और यह सभी तक टीका सुनिश्चित करने का सही तरीका है। यह हालांकि निजी स्वास्थ्य केंद्रों के साथ सहयोग करने का सही तरीका है, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को इसकी प्रतिपूर्ति के लिए बोझ उठाना चाहिए। सिद्धारामैया ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री कार्यालय पीएम केयर फंड के खातों की जानकारी सार्वजनिक करने में विफल रहा है और शून्य लागत पर टीकाकरण प्रदान करने में भी विफल रहा है।

बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव को लेकर अधिसूचना

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के दूसरे चरण के तहत ३० सीटों पर होने वाले चुनावों के लिए आज अधिसूचना जारी कर दी। राज्य में विभिन्न चरणों में कराये जा रहे इस चुनाव के दूसरे चरण में राज्य के चार जिलों की ३० विधानसभा सीटों पर चुनाव कराये जाने हैं। इन जिलों में बांकुरा –दो, पूर्वी मिदनापुर–दो , पश्चिमी मिदनापुर– दो और दक्षिण २४ परगना भी इसमें शामिल किया गया था। अधिसूचना जारी होने के बाद उम्मीदवारों की ओर से नामांकन की प्रक्रिया भी शुरु हो गयी है। दूसरे चरण में तीस विधानसभा क्षेत्रों में गोसाबा (सुरक्षित), पथप्रतिमा–काकद्वीप सागर, तमलुक, पंसकुरा गुरबा,पंसकुरा पस्चिम, मोयना, नंदकुमार, महिसाडल, हल्दिया (सु), नंदीग्राम, चांदीपुर, खड़गपुर सदर, नारायणगढ़, सबंग, पिंगला, डेबरा, दासपुर, भटाल (सु.), चंद्रकोणा (सु.) केशपुर (सु.), तालडांग, बांकुरा, बरजोरा, ओन्दा, बिष्णुपुर, कतुलपुर (सु.), सिंधु (सु.) तथा सोनमुखी (सु.) शामिल हैं।

शिवराज को मोदी समेत भाजपा नेताओं ने दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत अनेक केंद्रीय नेताओं और राज्य के

विभिन्न नेताओं ने जन्मदिन के अवसर पर आज शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके स्वस्थ और यशस्वी जीवन की कामना की हैं। मोदी ने ट्वीट के जरिए लिखा है 'भाजपा के ऊर्जावान नेता और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी को जन्मदिन की अशेष शुभकामनाएं। उन्होंने अपने नेतृत्व में राज्य को विकास की नयी ऊंचाइयां दी हैं। मैं उनके सुखी, स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।' इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन, केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजीजू, रेल मंत्री पीयूष गोयल, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, मध्यप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों और प्रदेश भाजपा नेताओं ने भी श्री चौहान को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। चौहान ने ट्वीट के जरिए सभी के प्रति आभार जताया है।

पुलिस नें नकली गुटका मसाला तैयार करने वाले ०२ नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद कानपुर देहात के द्वारा चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर के कुशल दिशा निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक मूसानगर के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर नकली अपमिश्रित एवं मिलावटी गुटखा तैयार कर जमा किया जा रहा है और यही से सारा स्टोक माल बेचने हेतु भेजा जाता है। पूर्व से ही मुखबिर द्वारा दी गयी सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी को भी मौके पर बुलाया गया नसैल स्वीट हाउस के पास, गौसगंज, मौके से दो अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया पूछताछ पर पहले ने अपना नाम १. महेश ओमर पुत्र स्व० महेश्वरी प्रसाद उम्र करीब ५० वर्ष नि० नसैल स्वीट हाउस के पास, गौसगंज, थाना मूसानगर का०दे० २. प्रभात ओमर पुत्र महेश ओमर उम्र २३ वर्ष नि० नसैल स्वीट हाउस के पास, गौसगंज, थाना मूसानगर का०दे० पूछताछ करने पर बताया कि साहब यह माल तैयार करने का हमारा गोदाम मेरे भाई रमेश पुत्र स्व० महेश्वरी प्रसाद ओमर और उनकी पत्नी उषा जो बर्रा ३ मे रहते है का है जिसमे हमारा व कई लोगो का साझा है किन्तु अपना यह सारा कारोबार यही से चलाते है मेरे भाई रमेश ओमर के ऊपर पहले एक इसी मामले मे मुकदमा लिखा गया है जिसमें आप लोगों द्वारा काफी गुटखा व फैक्ट्री पकड़ी गयी थी जिसके बाद वह ईधर–उधर बचते बचाते भाग रहे है और अब उनकी गैर मौजूदगी मे इस कारोबार को उनकी पत्नी श्रीमती उषा उम्र करीब ३५ वर्ष संचालन कर रही है जो आती है और काम काज संभालकर चली जाती है। इन दोनो पति–पत्नी को दोनो ने अपने कारोबार का पार्टनर होना बताया है और बोले साहब मकान मालिक उर्मिला देवी पत्नी स्व० रामकिशुन गुप्ता उम्र करीब ५८ वर्ष जो इसी मकान मे रहती है और उनके दो पुत्र सचिन गुप्ता उम्र करीब ३० वर्ष व नीरज गुप्ता उम्र करीब ४० वर्ष पुत्रगण स्व० रामकिशुन गुप्ता जो दिल्ली मे रहते है और कारोबार मे बराबर के शरीक है। मकान मालिक को तलाशा गया तो मौके से भाग गयी है तथा घटनास्थल भी मकान मालिक का होना बताया। प्रभात ओमर उपरोक्त ने कच्चा माल उपलब्ध कराना व तैयार शुदा माल को सप्लाई करना बताया। पकडे गये अभियुक्तगणो से इस फैक्ट्री को चलाने का लाइसेन्स तलब किया तो दिखाने से कासिर रहे घटना स्थल से १६ बोरी तम्बाकू बजन करीब ६५० किलो १ टीन तम्बाकू केमिकल ,१ बोरी श्री कनकॉब्ड सुगन्धित तम्बाकू तैयार माल, ७० चक्के चन्द्रमोहन ब्राण्ड रैपर ,१२० चक्के अटल ब्राण्ड रैपर, १६० चक्के गब्बर ब्राण्ड रैपर, ४० चक्के चन्दा मामा ब्राण्ड रैपर, २० चक्का सुभम गोल्ड ब्राण्ड रैपर, ५० चक्के कनक ब्राण्ड रैपर ,३० चक्के साई ब्राण्ड रैपर, १ बोरी श्री ब्ड सुगन्धित तम्बाकू पैकिंग पन्नी ,१ बोरी साई रैपर ब्राण्ड, ३ बोरी गब्बर ब्राण्ड रैपर, १ बोरी शुभम गोल्ड ब्राण्ड रैपर, १ बोरी चन्द्रमोहन ब्राण्ड रैपर, ७ बोरी पैकिंग वाली सफेद पन्नी, बरामद किया गया बरामद माल जिसकी कीमत लगभग ५०,००,०००/रुपये (पचास लाख रुपये) है। थाना स्थानीय पर मु०अ०सं० ३३/२०२१ धारा ४२०/४६७/४६८/४७१ भादंवि में पंजीकृत किया गया। अभियुक्त गणों को माननीय न्याया० भेजा जा रहा है। 'गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण–' १. महेश ओमर पुत्र स्व० महेश्वरी प्रसाद उम्र करीब ५० वर्ष नि० नसैल स्वीट हाउस के पास, गौसगंज, थाना मूसानगर का०दे० , २. प्रभात ओमर पुत्र महेश ओमर उम्र २३ वर्ष नि० नसैल स्वीट हाउस के पास, गौसगंज, थाना मूसानगर का०दे०, 'बरामदगी का विवरण–'१६ बोरी नकली तम्बाकू बजन करीब ६५० किलो, १ टीन तम्बाकू केमिकल, १ बोरी श्री कनकॉब्ड सुगन्धित तम्बाकू तैयार माल ७० चक्के, चन्द्रमोहन ब्राण्ड रैपर १२० चक्के, अटल ब्राण्ड रैपर १६० चक्के, गब्बर ब्राण्ड रैपर ४० चक्के, चन्दा मामा ब्राण्ड रैपर २० चक्का, सुभम गोल्ड ब्राण्ड रैपर ५० चक्के, कनक ब्राण्ड रैपर ३० चक्के, साई ब्राण्ड रैपर १ बोरी श्री ब्ड सुगन्धित तम्बाकू पैकिंग पन्नी ,१ बोरी साई रैपर ब्राण्ड , ३ बोरी गब्बर ब्राण्ड रैपर , १ बोरी शुभम गोल्ड ब्राण्ड रैपर , १ बोरी चन्द्रमोहन ब्राण्ड रैपर , ७ बोरी पैकिंग वाली सफेद पन्नी। 'बरामद माल जिसकी कीमत–' लगभग ५०,००,०००/ रुपये (पचास लाख रुपये) 'गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम के सदस्यः–' १–थानाध्यक्ष दीपक सिंह– थाना मूसानगर , २–उ०नि० श्री कृपाल सिंह–थाना मूसानगर, ४–का० ५३८ रोहित कुमार– थाना मूसानगर, ५.का० ६१० अर्जुन कुमार – थाना मूसानगर, ६.का० २१५ विपिन कुमार –थाना मूसानगर, ७.कां० ६२५ मोनू –थाना मूसानगर, ८. म०का० १२६४ अर्चना मौर्य –थाना मूसानगर।

पेड़ लगाना पृथ्वी को बचाने का अभियानरू शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि पेड़ लगाना पृथ्वी को बचाने का अभियान है। यह अत्यंत पुनीत कार्य है। इस पवित्र सामाजिक अभियान को सफल बनाने के लिए वे निकल पड़े हैं, जिसमें आप सबको

पूरा सहयोग करना है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार चौहान ने आज अपने जन्म–दिन के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर मंत्रि–परिषद के सदस्यों, जन–प्रतिनिधि, अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ सामूहिक रूप से पौध–रोपण किया। सभी ने पौधरोपण में अत्यंत उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री का जन्मदिन वृक्ष महोत्सव बन गया। चौहान ने अपने जन्मदिन पर सुबह सबसे पहले अपने निवास पर बेलपत्र का पौधा रोपा। इस अवसर पर सांसद वी डी शर्मा, मंत्री विजय शाह, डॉ प्रभुराम चौधरी सहित श्री हितानंद और लोकेंद्र पाराशर आदि उपस्थित थे। श्री चौहान ने अपने निवास पर अपने परिवार के साथ पौध–रोपण किया। मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी साधना सिंह, पुत्र कार्तिकेय तथा कुणाल ने नारियल, शमी तथा आँवले के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी पार्क में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ पौध–रोपण किया। उन्होंने बरगद सहित लगभग २५ प्रजातियों के पौधे रोपे। उन्होंने इस अवसर पर धरती को बचाने के लिए पेड़ लगाने के इस पवित्र सामाजिक अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए मीडिया तथा अन्य सभी की सराहना की और धन्यवाद दिया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम और मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ विधानसभा परिसर में कदंब के ६ पौधे रोपे। चौहान ने वल्लभ भवन मंत्रालय में फलदार खिरनी का पौधा लगाया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने पेल्टाफॉर्म, मंत्री कमल पटेल, मोहन यादव, विधायक कृष्णा गौर, राज्य मंत्री राम खेलावन पटेल ने भी पौधे लगाए। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने पुत्रंजीवा, अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार ने गूलर का पौधा लगाया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव के के सिंह, मलय श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, मोहम्मद सुलेमान, एसएन मिश्रा, प्रमुख सचिव नीतेश व्यास, दीप्ति गौर मुखर्जी, कल्पना श्रीवास्तव, दीपाली रस्तोगी, पल्लवी जैन गोविल, नीरज मंडलोई, अशोक शाह, संजय शुक्ला, सत्येन्द्र कुमार सिंह के साथ मंत्रालय के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक सहित मंत्रालयीन अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। मंत्रालय परिसर में पीपल, आम, करंज, पाखर और सप्तपर्णी आदि के पौधों का भी रोपण किया गया।

कांग्रेस में जी–23 जैसा कोई ग्रुप नहीं है

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी में जी–२३ नाम का कोई ग्रुप नहीं है और पूरी पार्टी सोनिया गांधी के नेतृत्व में एकजुट है। जब उनसे जी–२३ समूह के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, कांग्रेस एक है। हालांकि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली सोनिया गांधी को लिखे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में से एक हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, मोइली ने कहा, जी–२३ नाम की कोई चीज नहीं है। कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी के नेतृत्व में एकजुट है। वो हमेशा लोगों की शिकायतों को सुनती है। पार्टी के कुछ नेताओं ने पिछले साल सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस में व्यापक सुधार की मांग की थी, तब से कांग्रेस मुश्किल समय का सामना कर रही है। एक अन्य कांग्रेस नेता, संदीप दीक्षित ने कहा, पार्टी में कोई गुट नहीं है और मैं उन नेताओं के संपर्क में नहीं हूं, जो हाल ही में जम्मू में इकट्ठे हुए थे। कई कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि उनका एकमात्र मकसद देश में पार्टी को मजबूत करना है। पांच राज्योंध्केंद्रशासित प्रदेशों में चुनाव का सामना करने के लिए तैयार कांग्रेस ने इन नेताओं को सलाह दी है कि भाजपा को हराने के लिए सभी एकजुट हो

जाएं और अब सभी की निगाहें पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची पर है। पिछले साल अगस्त में पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले कांग्रेस के कई नेताओं को या तो पार्टी में समायोजित किया गया है या उन्हें कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पृथ्वीराज चव्हाण को असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और मोइली को तमिलनाडु में चुनाव प्रबंधन प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया। हालांकि, कई दौर की बैठकों के बावजूद भी कांग्रेस में स्थिति सामान्य नहीं है। असंतुष्ट नेताओं का कहना है कि वे ब्लक से सीडब्ल्यूसी स्तर तक चुनाव चाहते हैं।

शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ ६ पारियों में बुरी तरह हुए फ्लाप

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा ओपनर शुभमन गिल ने आस्ट्रेलिया के दौरे पर अपना बल्लेबाजी से सबकी वाहवाही लूटी थी। रोहित शर्मा के साथ उनकी जोड़ी को टीम के लिए

फिट माना जा रहा था लेकिन इंग्लैंड के दौरान वो रन बनाने में नाकाम रहे। चार मैचों की टेस्ट सीरीज की पिछली ७ पारियों में से ६ में वो फ्लाप ही रहे हैं। ऐसे में उनके ओपनिंग में बने रहने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज से पहले आस्ट्रेलिया में दमदार शुरुआत करने वाले शुभमन घर पर नाकाम साबित हो रहे हैं। अब तक चार मैचों की सीरीज में खेली गई ७ पारियों में से एक में ही वह अर्धशतक बना पाए हैं। दो पारी में वह खाता भी नही खेल पाए और एक पाचास रन के स्कोर के अलावा वह १५ रन का ही सर्वाधिक स्कोर बना पाए हैं। चेन्नई में खेले गए सीरीज के पहले मैच की पहली पारी में २६ रन पर आउट होने वाले शुभमन गिल ने दूसरी पारी में ५० रन बनाया था। इस पारी को देखने के बाद लगा था वो आगे सीरीज में वापसी करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चेन्नई के दूसरे टेस्ट में वह शून्य और १४ रन बना पाए। अहमदाबाद में खेले गए तीसरे टेस्ट की पहली पारी में ११ और १५ नाबाद रन की पारी खेली। अब चौथे टेस्ट की पहली पारी में वह बिना खाता खोले ही आउट हो गए। ओपनिंग की दावेदारी ठोकने के लिए टीम में मयंक अग्रवाल मौजूद हैं तो वहीं टीम से बाहर किए गए पृथ्वी शा भी फार्म में लौट चुके हैं। हाल ही में विजय हजारे ट्राफी में उन्होंने दो शतक जमाया है। इसमें से एक दोहरा शतक था जिसमें उन्होंने नाबाद २२७ रन की पारी खेली। अब तक के ५ मैच में वह १३४ की धमाकेदार औसत से ४०४ रन बना चुके हैं।

क्रोम का रिलीज साइकिल अब 4 हफ्तों का

नई दिल्ली। गूगल ने सुरक्षा, गति और स्थिरता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से क्रोम अपडेट्स के रिलीज साइकिल को वर्तमान छह–हफ्ते की अवधि से चार हफ्ते तक करने की घोषणा की है। पिछले लगभग एक दशक से क्रोम हर ६ हफ्तों में एक नए अपडेट को लॉन्च करता है। कंपनी ने अपने एक बयान में कहा, जैसा कि हमने क्रोम के लिए अपनी टेस्टिंग व रिलीज की प्रक्रियाओं में सुधार किया है और अपने पैच गैप में सुधार लाने के लिए द्वि–साप्ताहिक सिक्यूरिटी अपडेट्स भी जारी किए हैं, इससे साफ है कि हम अपने रिलीज साइकिल को छोटा कर सकते हैं और अधिक तेजी के साथ नए फीचर्स को ला सकते हैं। क्रोम की नई योजना अब हर चार हफ्ते में रिलीज को जारी करने का है, जिसकी शुरुआत साल २०२१ की तीसरी तिमाही में क्रोम ६४ के साथ होगी।

साउथ अफ्रीका के कप्तान क्विंटन डिकाक की तीनों फार्मेट से कप्तानी की छुट्टी

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका क्रिकेट में अभी उथल पुथल थमता नजर नहीं आ रहा। पाकिस्तान में मिली टेस्ट और टी२० सीरीज में मिला हार के बाद कप्तान क्विंटन डिकाक पर गाज गिरी है। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने टेस्ट, वनडे और टी२० टीम के कप्तानी से उनको हटाते हुए नए कप्तानों के नाम की घोषणा की। पाकिस्तान के दौरे तक तीनों ही फार्मेट में कप्तानी डिकाक ही कर रहे थे। साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए टीम के मौजूदा कप्तान क्विंटन डिकाक को उनके पद से हटाने का फैसला लिया। सोशल मीडिया पर इस फैसले की जानकारी देते हुए बोर्ड की तरफ से लिखा गया कि टाप आर्डर बल्लेबाज डीन एल्गर टेस्ट और तेंबा बवुमा लिमिटेड ओवर फार्मेट में मैदान पर प्रोटियाज टीम की कप्तानी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान स्मिथ ने कहा, श्सीमित ओवरों के प्रारूप में टीम

के कप्तान के रूप में क्विंटन ने जो काम किया, हम उसके लिए उनके आभारी हैं। हम उनके आभारी है कि उन्होंने उस समय आगे बढ़कर अगुआई की, जबकि राष्ट्रीय चयन पैनल टेस्ट कप्तान की तलाश कर रहा था। हम उम्मीद करते हैं कि वह टीम के नेतृत्वकर्ता समूह में अहम भूमिका निभाएंगे। बावुमा ने दक्षिण अफ्रीका के लिए ४४ टेस्ट, छह वनडे और आठ टी–२० अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जबकि सलामी बल्लेबाज एल्गर ने ६७ टेस्ट और आठ वनडे में टीम का प्रतिनिधित्व किया है। दक्षिण अफ्रीका की टीम तीन वनडे और इतने ही टी–२० मैचों की सीरीज के लिए जुलाई में आयरलैंड का दौरा करेगी। कप्तान बनने के बाद से ही डिकाक के प्रदर्शन में गिरावट आई थी और पाकिस्तान के दौरे पर तो टीम को बेहद शर्मनाक हार मिली। पहला टेस्ट पाकिस्तान ने ७ विकेट से जीता था जबकि दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका को ६५ रन से हार का सामना करना पड़ा था। तीन मैचों की टी२० सीरीज में भी पाकिस्तान ने २–१ से जीत हासिल की थी।

रिषभ पंत का दमदार शतक, भारत को दूसरे दिन ८६ रन की बढ़त

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। आज मैच के दूसरे दिन भारत २४ रन पर एक विकेट से आगे खेलना शुरू किया और दिन का खेल खत्म होने तक ७ विकेट के नुकसान पर २६४ रन बनाते हुए ८६ रन की बढ़त हासिल की। पहले दिन इंग्लैंड की पहली पारी २०५ रन पर सिमट गई थी। पहले दिन भारत को ओपनर शुभमन गिल के तौर पर पहला झटका लगा था। बिना खाता खोले ही वह वापस लौट गए थे। इसके बाद रोहित शर्मा और चेतेश्वर पुजारा ने कोई विकेट नहीं गिरने दिया था। भारतीय टीम के दूसरे दिन पहला झटका पुजारा के रूप में लगा। जैक लीच ने १७ रन के स्कोर पर उनको **LBW** कर वापस भेजा। भारत को सबसे बड़ा झटका बेन स्टोक्स ने कप्तान विराट कोहली के रूप में दिया। बिना खाता खोले विकेट के पीछे कैच आउट होकर वो वापस लौटे। रोहित शर्मा ने १४४ गेंदों का सामना करते हुए ४६ रन की पारी खेली और अपने अर्धशतक से एक रन पीछे रह गए। वो भी बेन स्टोक्स की गेंद पर स्ठॅ आउट हुए। आर अश्विन को जैक लीच ने १३ रन पर ओली पोप के हाथों कैच आउट करवा दिया।

भारत की तरफ से फिर खेलते नजर आएंगे इरफान और यूसुफ पठान

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के दो दिग्गज आलराउंडर भाई की जोड़ी इरफान पठान और यूसुफ पठान संन्यास के बाद फिर साथ खेलते नजर आ सकते हैं। इरफान ने बड़े भाई यूसुफ के साथ सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की। इसमें दोनों नई जर्सी में नजर आए जो रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज की भारतीय टीम की है। यूसुफ ने हाल ही में संन्यास की घोषणा की है। भारत के लिए लंबे समय तक खेलने के बाद पठान भाईयों ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा। इरफान तेज गेंदबाजी आलराउंडर के तौर पर भारत की तरफ से खेला जबकि यूसुफ ने स्पिन

आलराउंडर की भूमिका निभाई। अब दोनों ही खिलाड़ी संन्यास के बाद साथ खेलने के लिए तैयार हैं। इरफान ने बड़े भाई के साथ ट्विटर पर दो तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, रिटायरमेंट के बाद की तस्वीर। यूसुफ ने २६ फरवरी को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। भारत की तरफ से इस खिलाड़ी ने ५७ वनडे और २२ टी२० मैच खेला। २००७ टी२० विश्व कप और २०११ वनडे विश्व कप विजेता टीम में यूसुफ शामिल थे। इरफान ने ४ जनवरी २०२० को अपने संन्यास की घोषणा की थी। भारत के लिए इस खिलाड़ी ने २६ टेस्ट, १२० वनडे और २४ टी२० इंटरनेशनल मैच खेले। ५ मार्च शुक्रवार से भारत में रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के नए सीजन की शुरुआत है। ६ देशों की इस सीरीज में भारत, बंग्लादेश, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। भारत पहले मैच में बांग्लादेश के साथ खेलेगा। इसके बाद ६ और १३ मार्च को भारत को बाकी की चार टीमों से खेलना है। १७ और १६ मार्च को सीरीज का सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। २१ मार्च फाइनल मुकाबले के साथ इस साल की सीरीज का समापन होगा।

रिषभ पंत ने दूसरी बार छक्के से अपना शतक पूरा किया

नई दिल्ली। भारतीय विकेट कीपर रिषभ पंत इस वक्त शानदार फार्म में चल रहे हैं। अपने इसी फार्म को जारी रखते हुए उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में शानदार शतक जमाया। मुश्किल में घिरी भारतीय टीम के लिए पहली पारी में पंत ने १०१ रन बनाए और टीम को बढ़त दिलाई। टेस्ट करियर में इस खिलाड़ी ने दूसरी बार छक्के से अपना शतक पूरा किया और वो कमाल कर दिखाया जो पिछले ५७ साल में किसी भारतीय विकेटकीपर ने नहीं किया था। रिषभ पंत ने अहमदाबाद टेस्ट मैच के दूसरे दिन शानदार पारी खेलते हुए भारत को मुश्किल से निकाला। ८० रन पर भारत ने अपना चौथा विकेट गंवाया था और पंत ने मैदान पर कदम रखा। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ पहले पारी संभाली और फिर आक्रामक शाट लगाते हुए शतक पूरा किया। वाशिंग्टन सुंदर के साथ पंत ने शतकीय साझेदारी निभाते हुए टीम के बढ़त दिलाई। ११८ गेंद पर १३ चौके और २ छ्क्के के साथ १०१ रन की पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दो शतक जमाने के मामले में रिषभ

पंत ने पूर्व भारतीय दिग्गज बुधी कुंदरन की बराबरी कर ली। साल १६६४ में ऐसा हुआ था जब किसी भारतीय विकेटकीपर ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में दो शतक बनाए थे। पथ ने ५७ साल बाद ऐसा कर दिखाया। कमाल की बात यह रही कि अपने टेस्ट करियर का पहला शतक भी इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ ही लगाया था। रिषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ २०१८ में आदिल रशीद की गेंद पर छक्का लगाते हुए अपना पहला शतक बनाया था। अब साल २०२१ में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट की गेंद पर उन्होंने छक्का लगाते हुए शतक पूरा किया। यह घर पर खेलते हुए पंत का पहला टेस्ट शतक है। इससे पहले वह तीन बार नर्वस ६० के शिकार हुए थे।

शुभमन गिल लगातार क्यों हो रहे हैं फ्लॉप, वीवीएस लक्ष्मण ने बताई सबसे बड़ी वजह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की थी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय धरती पर खेले जा रहे चार मैचों की टेस्ट सीरीज में उनका प्रदर्शन ज्यादा प्रभावित करने वाला नहीं रहा है। इस टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले में तो वो डक पर आउट हुए थे। पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने चेन्नई में दूसरी पारी में अर्धशतक जरूर लगाया था, लेकिन इसके बाद से वो एक मैच में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। अब शुभमन गिल लगातार क्यों फ्लाप हो रहे हैं इसे लेकर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने बताया है। वीवीएस लक्ष्मण ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड पर कहा कि शुभमन गिल का अपनी बल्लेबाजी पर काम करने की जरूरत है, खास तौर पर जब गेंद अंदर की तरफ आती है तो इस तरह की गेंद पर किस तरह से खेला जाए उसे सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गिल के साथ थोड़ी तकनीकी दिक्कत भी है। आप देख सकते हैं कि बल्लेबाजी के दौरान उनका सिर नीचे की तरफ गिर रहा है और दाहिना पैर एक्रास जा रहा है। उन्हें इन सबमें बदलाव करने की जरूरत है। लक्ष्मण ने कहा कि शुभमन गिल पारी की शुरुआत तो कर रहे हैं, लेकिन बड़ा स्कोर नहीं कर पा रहे हैं और इसकी वजह से दबाव में आ जाएंगे। उन्हें ये

नहीं भूलना चाहिए कि मयंक अग्रवाल और केएल राहुल जैसे बल्लेबाज अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज में अब तक कुल ७ पारियों में बल्लेबाजी कर चुके हैं और इसमें उन्होंने २६, ५०, ०, १४, ११, १५', ० रन की पारी खेली है। इसमें वो दो बार शून्य पर आउट हुए हैं तो वहीं उनके नाम पर सिर्फ एक ही अर्धशतकीय पारी है।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार दूसरे दिन गिरावट

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों का असर घरेलू स्तर पर भी पड़ा और शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई जिससे सेंसेक्स ०.८७ प्रतिशत तथा निफ्टी ०.६५ प्रतिशत की गिरावट पर बंद हुए। दिग्गज कंपनियों के साथ ही मझोली और छोटी कंपनियों में बिकवाली देखी गई जिससे बीएसई का मिडकैप १.८६ प्रतिशत घटकर २०,५८७.८० अंक पर और स्मलकैप १.५० प्रतिशत की कमी के साथ २१,३०१.५३ अंक पर बंद हुआ। बीएसई में आज कुल ३१२६ कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमे से केवल १०५७ कंपनियों के शेयर हरे निशान में और १६२६ के लाल निशान में बंद हुये जबकि शेष १४३ कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार–चढ़ाव के बाद अंततरू अपरिवर्तित रहे। बीएसई का सेंसेक्स आज ३२६ अंक की गिरावट लेकर ५०,५१७.३६ अंक पर खुला और दोपहर बाद ५०,८८६.१६ अंक के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के ५०८४६.०८ अंक के मुकाबले ०.८७ प्रतिशत घटकर ५०.४०५.३२ अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी करीब १०३ अंक की गिरावट के साथ १४,६७८ अंक पर खुला। इसका दिवस का उच्चतम स्तर हालांकि १५ हजार के पार पहुंच कर १५,०६२.३५ अंक और न्यूनतम स्तर १४,८६२.१० अंक रहा। अंत में यह गत दिवस की तुलना में ०.६५ प्रतिशत अंक की कमी के साथ १४.६३८.१० अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की ५० में से १२ कंपनियों के शेयर चढ़े और ३८ सात लाल निशान में रहे। बीएसई में करीब आधे से अधिक समूह

गिरावट में रहे जिसमें घातु में सर्वाधिक २.१६ प्रतिशत तथा ऊर्जा १.८० और टेलीकम १.७७ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक स्तर पर यूरोप और एशिया के मुख्य सूचकांकों में भी गिरावट दर्ज की गई। ब्रिटेन के एफटीएसई को छोड़कर सभी सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। एशिया के हांगकांग के हैंगसैंग में सबसे अधिक ०.४७ प्रतिशत, जापान के निक्की में ०.२३ प्रतिशत तथा चीन के शंघाई कम्पोजिट में ०.०४ प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यूरोप के ब्रिटेन के एफटीएसई में ०.२३ प्रतिशत की वृद्धि जबकि जर्मनी के डैक्स में ०.६४ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी।

वन प्लस नॉड २ को २०२१ की दूसरी तिमाही में किया जा सकता है लॉन्च

नई दिल्ली। वनप्लस अपनी नई फ्लैगशिप वनप्लस ६ सीरीज को लॉन्च करने की तैयारी में जुटा हुआ है और अब सामने आई एक

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल की दूसरी तिमाही में कंपनी नॉर्ड २ को भी लॉन्च कर सकती है। एंड्रयड सेंट्रल के मुताबिक, नॉर्ड २ को मीडियाटेक के डाइमेंसिटी १२०० चिपसेट द्वारा संचालित किया जाएगा। मीडियाटेक की फ्लैगशिप डाइमेंसिटी १२०० एसओसी चिपसेट ६एनएम मैन्युफैक्च रिंग प्रोसेस पर आधारित एक ओक्टा–कोर चिपसेट है, जिसकी अधिकतम स्पीड ३ गीगाहर्ट्ज है। इस चिपसेट में ५जी और वाईफाई६ का सपोर्ट मिलेगा। इसे कॉर्टेक्स ए७८ परफर्मेंस कोर के साथ लाया जा रहा है, जिसकी अधिकतम स्पीड ३.० गीगाहर्ट्ज तक होगी। तीन अतिरिक्त ए७८ कोर की स्पीड २.६ गीगाहर्ट्ज तक होगी और चार कोर्टेक्स ए५५ कोर की स्पीड अधिकतम २.० गीगाहर्ट्ज तक होगी। इनकी मदद से अधिक क्षमतायुक्त कामों को बेहतरी से किया जा सकेगा।

आईसीआईसीआई बैंक ने होम लोन की ब्याज दर घटाकर 6.70 फीसदी की

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने शुक्रवार को होम लोन की ब्याज दर ६.७० फीसदी तक घटाने की घोषणा की। बैंक ने यहां बयान जारी कर कहा कि संशोधित ब्याज दर बैंक द्वारा १० वर्षों में सबसे कम है और नयी ब्याज दर पांच मार्च से ही प्रभावी होगी। ग्राहक इस ब्याज दरका लाभ ७५ लाख तक के होम लोन के लिए उठा सकते हैं जबकि ७५ लाख रुपये से अधिक के ऋण के लिए ब्याज दरों को ६.७५ फीसदी पर आंका जाता है। ये संशोधित दरें ३१ मार्च तक उपलब्ध रहेंगी। आईसीआईसीआई ने कहा कि जो बैंक के ग्राहक नहीं है वे लोग होम बायर्स बैंक की वेबसाइट और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफार्म 'आईमोबाइल पे' के माध्यम से परेशानी मुक्त तरीके से होम लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं या फिर वे अपने निकटतम आईसीआईसीआई बैंक शाखा में एक सुविधाजनक डिजिटल अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा ग्राहक अपने ऋण का

डिजिटल रूप से तुरंत अनुमोदन भी प्राप्त कर सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक के सिक्योर्ड एसेट्स के प्रमुख रवि नारायणन ने कहा, "हम पिछले कुछ महीनों से ऐसे उपभोक्ताओं की ओर से मांग में फिर से उछाल देख रहे हैं, जो अपने स्वयं के उपभोग के लिए घर खरीदना चाहते हैं। हमारा मानना है कि प्रचलित निम्न ब्याज दरों को देखते हुए किसी व्यक्ति के लिए अपने सपनों के घर को खरीदने के लिए यह एक उपयुक्त समय है। किसी भी बैंक के ग्राहकों के लिए हमारे साथ होम लोन लेना बहुत सुविधाजनक होगा। हमारी पूरी तरह से डिजिटलीत होम लोन प्रक्रियाएं हैं, जिसमें तत्काल मंजूरी भी शामिल हैं।

मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली कार के मालिक मनसुख हिरेन ने की आत्महत्या

मुंबई । पिछले दिनों बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के घर (एंटीलिया) के बाहर एक संदिग्ध कार बरामद हुई थी। वहीं, आज कार के मालिक मनसुख हिरेन ने आत्महत्या कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार कार मालिक मनसुख ने कलावा ब्रिज से कूदकर जान दी है। ठाणे के डीसीपी ने बताया कि मनसुख हिरेन जिनकी कार मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली थी, उसने आत्महत्या कर ली। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की पुलिस छान बीन कर रही है। वहीं, इस मामले पर भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि मैंने मनसुख हिरेन को संरक्षण देने के लिए सदन में सवाल उठाया था, क्योंकि वह इस पूरे मामले की मुख्य कड़ी थे। अभी हमें उनके आत्महत्या के बारे में पता चला है। यह इस मामले को और भी ज्यादा संदिग्ध बनाता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस आतंकी साजिश को देखते हुए हम मामले की जांच एनआईए को सौंपने की मांग करते हैं। बता दें कि मुकेश अंबानी के घर

के बाहर जो संदिग्ध कार बरामद हुई थी उसमें भारी मात्रा में बारूदी सामान जिलेटिन की छड़ें, एक ध मकी भरा पत्र और कई नंबर प्लेट्स भी बरामद हुईं थी। पुलिस की छानबीन के बाद मनसुख हिरेन ने बताया था कि उनकी कार चोरी हो गई थी और उन्होंने इसके लिए एफआईआर भी दर्ज कराई थी। उनकी कार से जिलेटिन की २० छड़ें बरामद हुई थीं, जिससे हड़कंप मच गया था। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में पुलिस ने उस शख्स की पहचान करने की कोशिश की थी, जिसने उस कार को पार्क किया था। हालांकि उसके मास्क पहने होने के चलते ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई थी। इस घटना के बाद अंटीलिया के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पुलिस संदिग्ध ा कार खड़ी करने वाले की तलाश में जुट गई थी। बाद में पुलिस ने कार के असली मालिक की पहचान कर ली थी जिसने बताया कि कुछ दिन पहले ही उसके पास से यह कार चोरी हो गई थी। गौरतलब है कि मुकेश अंबानी को सरकार की तरफ से जेड कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है। इसके अलावा उन्होंने अपनी व अपने घर की सुरक्षा के लिए प्राइवेट सुरक्षाकर्मियों की भी एक बड़ी टीम तैनात कर रखी है।

दुष्कर्मी को पीड़िता से शादी करने की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट के समर्थन में आई बार काउंसिल

नई दिल्ली। दुष्कर्म मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर उसके प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे शीर्ष अदालत को बदनाम न करें और उसकी कार्यवाहियों का इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए न करें। उल्लेखनीय है कि कुछ लोगों ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर दुष्कर्म के मामले में की गई टिप्पणी को वापस लेने का अनुरोध किया था। बार काउंसिल ने एक बैठक के दौरान पारित प्रस्ताव में माकपा पोलित ब्यूरो की सदस्य बृंदा करात द्वारा चीफ जस्टिस एसए बोबडे को लिखे पत्र को न्यायपालिका पर दुर्भावनापूर्ण हमला करार देते हुए कहा कि बोलने व अभिव्यक्ति की आजादी को उस स्तर तक नहीं खींचा जाना चाहिए कि यह संस्थान की छवि को धूमिल और कमजोर करे।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए प्रचार करना चाहते हैं गुलाम नबी आजाद

नई दिल्ली । पांच राज्यों में जारी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ ने गुलाम नबी आजाद ने बड़ा बयान दिया है। आजाद ने कहा कि आगामी चुनाव में कांग्रेस के लिए प्रचार करेंग लेकिन यदि पार्टी या व्यक्तिगत तौर पर आमंत्रित किया जाएगा तब। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत मेरी प्राथमिकता है। मैं पार्टी या व्यक्तिगत रूप से जहां भी आमंत्रित किया जाएगा, वहां प्रचार करूंगा। बता दें कि कांगेस के २३ नेताओं ने पिछले साल अगस्त में कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी को पत्र लिखा था और पार्टी में संगठनात्मक बदलाव करने के साथ ही पूर्णकालिक पार्टी अध्यक्ष की मांग की थी। तभी से इन नेताओं के समूह को 'जी–२३' भी कहा जाता है। पूर्व राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के पीएम मोदी की तारीफ करने पर जम्मू–कश्मीर कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता नाराज हैं। इस सिलसिले में जम्मू कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गुलाम नबी आजाद के खिलाफ पिछले दिनों प्रदर्शन भी किए थे। इस दौरान गुलाम नबी के पुतले जलाए गए

और नारेबाजी हुई थी। बता दें कि हाल ही में गुलाम नबी ने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ कर उन्हें जमीन से जुड़ा व्यक्ति बताया था। बता दें कि कांग्रेस के कई नेता पार्टी आलाकमान के विरोध में खुलकर सामने आ गए हैं। पिछले दिनों ग्रुप जी–२३ में शामिल इन नेताओं ने जम्मू–कश्मीर में एक आयोजन किया और कांगेस में नेतृत्व परिवर्तन और संगठनात्मक फेरबदल की मांग की थी। इस कार्यक्रम में गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, कपिल सिब्बल समेत कई नेता मौजूद थे। इसके बाद गुलाम नबी ने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री बनने के बाद भी वह जमीन से जुड़े हुए हैं और खुद को गर्व से चाय वाला बताते हैं। इससे करीब ३ सप्ताह पहले राज्यसभा में विदाई भाषण के दौरान पीएम मोदी ने भरी हुई आंखों से नबी आजाद की प्रशंसा की थी। आजाद के जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री रहने के दौरान हुई एक आतंकी घटना का जिक्र कर मोदी भावुक भी हुए थे और आजाद को सैल्यूट किया था। राज्यसभा का कार्यकाल खत्म होने के बाद आजाद इन दिनों जम्मू कश्मीर के दौरे पर आए हैं।

ओसीआइ को मिशनरी या तब्लीगी गतिविधियों के लिए लेनी होगी इजाजत

नई दिल्ली। ओसीआई कार्ड धारकों के लिए केंद्र सरकार ने नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक ओसीआइ कार्ड धारक यदि देश में किसी धर्म चर्चा, मिशनरी, तबलीग या मीडिया गतिविधियों में शामिल होना चाहते हैं तो उनको अब सरकार से विशेष तरह की इजाजत लेनी होगी। हालांकि सरकार ने देश में हवाई किराए, राष्ट्रीय उद्यानों, राष्ट्रीय स्मारकों और संग्रहालयों में प्रवेश शुल्क में उनको भारतीय नागरिकों की तरह ही सहूलियत दी है। पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि ओसीआई कार्ड धारक यदि भारत में किसी भी काम के लिए आने की इजाजत वाले वीजा को हासिल करने के हकदार होंगे लेकिन शोध, मिशनरी, पर्वतारोहण, तबलीग या मीडिया से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उन्हें विदेशी नागरिक क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी से या भारतीय दूतावास से विशेष इजाजत लेनी होगी। नए नियमों में कहा गया है कि ओसीआई कार्डधारक यदि किसी विदेशी दूतावास या विदेशी सरकार के संगठनों में इंटर्नशिप करने के लिए भारत आते हैं या भारत में किसी विदेशी दूतावास में नौकरी करने के लिए आते हैं तो उनको खास अनुमति लेनी होगी। यही नहीं यदि वे देश में किसी ऐसे स्थान की यात्रा के लिए जाते हैं जो संरक्षित या प्रतिबंधित क्षेत्र में आता है तो उनको विशेष अनुमति लेनी होगी। सनद रहे कि मार्च २०२० में जब लाकडाउन लगा था तब तबलीगी जमात के २५०० से अधिक सदस्य दिल्ली में संगठन के मुख्यालय में ठहरे पाए गये थे जबकि जबकि एक जगह जमा

होने की मनाही थी। कथित तौर पर नियमों की अनदेखी करने और वीजा नियमों का उल्लंघन करने को लेकर करीब २३३ विदेशियों को गिरफ्तार किया गया था। यहां तक कि इनमें से कई को काली सूची में डाल दिया गया और भारत में उनके आने पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था। गृह मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि ओसीआई कार्डधारकों को भारत में ठहरने को लेकर क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) या विदेशी नागरिक पंजीकरण अधिकारी (एफआरओ) के यहां पंजीकरण कराने से छूट दी गई है। हालांकि उनके स्थाई आवासीय पता या जिसके लिए वो आ रहे हैं उसमें बदलाव होने पर उन्हें एफआरआरओ या एफआरओ को सूचित करना होगा। ओसीआई कार्ड धारक विदेशी नागरिक होता है जिसके पास विदेश का पासपोर्ट होता है और वह भारत का नागरिक नहीं होता है।

अब भारतीय–अमेरिकी लोग अमेरिका की कमान संभाल रहे हैं: बाइडेन

न्यूयॉर्क। मंगल ग्रह पर मार्स रोवर पर्सिवियरेंस की सॉफ्ट लैंडिंग में अहम रोल निभाने वाली नासा की इंजीनियर स्वाति मोहन की तारीफ करते हुए बाइडेन ने कहा है कि अब भारतीय–अमेरिकी लोग अमेरिका की कमान संभाल रहे हैं। वे यहां हर जगह छाए हुए हैं। मंगल ग्रह पर पर्सिवियरेंस की लैंडिंग कराने वाली नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल) की टीम को इस सफलता की बधाई देने के लिए आयोजित की गई वर्चुअल मीटिंग में बाइडेन ने कहा, यह आश्चर्यजनभारतीय मूल के अमेरिकी इस देश को संभाल रहे हैं। आप, मेरी उप–राष्ट्रपति, मेरे भाषण लिखने वाले विनय। मैं आप लोगों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। बाइडेन ने प्रवासियों को लेकर कहा, हमारे देश के अतुलनीय होने का एक प्रमुख कारण यह है कि हमारा देश विविधता से भरपूर है। हम संयुक्त राज्य अमेरिका में दुनिया की हर संस्कृति के सर्वश्रेष्ठ को सामने लाते हैं। इस मौके पर भारतीयता की पहचान बिंदी को माथे पर सजाए मोहन ने कहा, इस शानदार, प्रतिभाशाली और विविधता से भरी टीम के साथ काम कर पाना, जो कि एक परिवार की तरह बन गई है। इसने तकनीकी चमत्कार करने में सालों लगाए हैं। बचपन में मैं एक ट्रेक टीवी सीरीज देखने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया की ओर आकर्षित हुई थी। आज इस टीम के साथ इसे समझने और वहां नई चीजें, नई जिंदगी खोजने के लिए काम कर रही हूं। स्वाति मोहन ने पर्सिवरेंस के मंगल ग्रह पर लैंडिंग होने के पलों को याद करते हुए कहा कि सब कुछ बहुत अच्छे से हो रहा था फिर भी टीम घबराई हुई थी। हम तब तक घबराए हुए थे, जब तक कि वह आखिर के ७ मिनट गुजर नहीं गए। रोवर की सुरक्षित लैंडिंग को निर्देशित करने वाली मोहन ने कहा, मंगल ग्रह पर सुरक्षित तरीके से पहुंचने के बाद वहां की तस्वीरें देखना, जहां हम कभी जा नहीं पाए हैं और वहां जीवन की तलाश करना, ये सब ऐसा है जैसे मैं सपने में जी रही हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम मंगल ग्रह पर अतीत में रहे जीवन के संकेतों को खोज पाएंगे। इस पर बाइडेन ने कहा, मैं आपको बताता हूं कि आप ऐसा महसूस करते हैं कि आप एक सपने में जी रहे हैं लेकिन आपने वाकई लाखों–करोड़ों युवाओं के एक नया सपना दिया है। आपने एक ऐसा आत्मविश्वास दिया है कि हम वही देश हैं, जो चमत्कृत करता है। आप सभी लोग कमाल के हैं और आपने अविश्वसनीय काम किया है। इतना ही नहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कटाक्ष करते हुए बाइडेन ने कहा कि उन्होंने देश के एक ऐसे प्रमुख के बारे में सुना था कि वे महान चीजें करने के लिए बहुत करते थे, लेकिन वे एक कोरोनावायरस को हैंडल नहीं कर पाए। जबकि ये चीजें बहुत मायने रखती हैं क्योंकि लोकतंत्रों को यह प्रदर्शित करना होगा कि वे कुशलता से चल सकते हैं। बता दें कि मोहन के मार्गदर्शन में १८ फरवरी को पृथ्वी से लगभग २२४ मिलियन मील की दूरी पर मंगल ग्रह पर रोवर पर्सिवरेंस ने जेजेरो क्रेटर को छुआ था।

पत्नी बिना बताए घर छोड़कर गई तो पति ने उठाया ऐसा कदम, पुलिस रह गई हैरान

बलरामपुर । अगर किसी शख्स की पत्नी घर से बिना बताए चली जाए, तो वह क्या करेगा? ऐसे में पहले तो वह रिश्तेदारों से पूछेगा और तब भी कोई जानकारी नहीं मिलती है, तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराएगा। लेकिन छत्तीसगढ़ में पत्नी के घर से बिना बताए जाने पर एक शख्स ने ऐसा कदम उठाया कि पुलिसवालों के पसीने छूट गए, वहीं कुछ लोगों का हंस–हंसकर बुरा हाल हो गया। बिना बताए पत्नी के घर से जाने से ये शख्स इतना परेशान हो गया कि बिजली के खंभे पर चढ़ गया। मामला छत्तीसढ़ के बलरामपुर का है। यहां एक शख्स बिजली के खंभे पर चढ़ गया। लोगों ने उसे वहां देखा तो वे घबरा गए, क्योंकि अगर शख्स गिरता तो उसकी मौत हो सकती थी। ऐसे में लोगों ने इस शख्स को बहुत समझाने की कोशिश की। लोगों ने कहा कि वह पत्नी

को ढूंढ कर ले आएंगे। लेकिन इस शख्स ने किसी की नहीं सुनी। ऐसे में लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और इस शख्स को नीचे उतारने की कोशिश करने में जुट गई। बता दें कि यह घटना (४ मार्च) की है। पुलिस ने बताया कि वह शख्स शराब के नशे में था। उसकी पत्नी उसे बिना बताए ही कहीं चली गई थी, इस बात से वह काफी परेशान था। इसलिए वह बिजली के खंभे पर चढ़ गया। पुलिस को इस शख्स को नीचे उतारने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस बीच शख्स को कभी गुस्से और कभी प्यार से समझाया गया। आखिरकार काफी देर के बाद शख्स समझा और नीचे उतरा। इस शख्स को नीचे उतारने के लिए काफी कोशिशों के बाद उसे समझा–बुझाकर नीचे उतारा गया। इस दौरान पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी। क्रैन की सहायता भी ली गई। पुलिस इस शख्स को खंभे से उतारने के बाद सीधा पुलिस स्टेशन ले गई। यहां उसने अपनी पूरी दास्तां बताई। ऐसे में पुलिस ने इस शख्स के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और उसे घर भेज दिया। साथ ही आश्वासन दिया कि उसकी पत्नी को ढूंढने में मदद करेगी। इस पूरी घटनाक्रम को देखकर लोगों को फिल्म शोले का वो सीन याद आ गया, जिसमें धर्मेंद्र पानी की टंकी पर चढ़कर अपनी शादी बंसती से कराने के लिए मौसी जी को राजी करता है। हालांकि, अभी तक इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है कि खंभे पर चढ़नेवाले शख्स की पत्न्नी घर लौटी है या नहीं।

यूपी के पूर्व डीजीपी स्व डॉ गिरीश बिहारी के जन्मदिवस पर संस्मरण सभा का आयोजन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ गिरीश बिहारी के जन्मदिवस पर उनके कामो एवं उनके पुलिस विभाग में रहते हुए किये गए कार्यो का संस्मरण किया गया। इस मौके पर पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ विक्रम सिंह ने भी अपने विचार साझा किए। यह आयोजन उनकी

पुत्रवधू डॉ सीमा वर्मा की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान उत्तरायण, एक शांति निकेतन न्यू हैदराबाद में किया गया। डॉ सीमा वर्मा ने स्व गिरीश बिहारी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि डॉ गिरीश बिहारी ना केवल कर्मठ, निर्भीक और ईमानदार पुलिस सेवा कर्मी के रूप में जाने जाते थे वरन उनके द्वारा मानवीय विचारधारा के साथ स्थापित शैक्षिक संस्थान 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेशल एजुकेशन' अपंग तथा आर्थिक रूप से कमजोर एवं होनहार विद्यार्थियों हेतु संचालित किया गया और आज भी उनके द्वारा स्थापित इस संस्था की गुणवत्ता हेतु डॉ गिरीश बिहारी को उनके विद्यार्थी स्मरण करते हैं। उनके दोनों पौत्रों के लिए उनके बाबा का जीवन अत्यंत प्रेरणादायक है। वर्ष २००६ में उनकी मृत्यु के पश्चात अपने पिता द्वारा प्रचलित इसी मानवीय दृष्टिकोण एवं शिक्षा प्रणाली को उनके पुत्र श्री अपूर्व वर्मा द्वारा आगे बढ़ाया गया। सभा मे निजी कारणों से न आ सके महानिदेशक डॉ विक्रम सिंह ने वीडियो कॉल के माध्यम से बीते दिनों को याद करते हुए कहा कि डॉ गिरीश बिहारी ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी पदों पर रहते हुए अनेक सफल प्रयोग किए। कम्युनिटी पुलिसिंग के ऊपर विश्व के प्रचलित व्यवस्था का अध्ययन किया और बरेली ,आगरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद पर रहते हुए अनेक सार्थक अभिनव प्रयोग किए। उन्होंने माफिया, अपराधियों तथा अनेक असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने का कार्य बहुत ही निर्भीकता से करके पुलिसकर्मियों के समक्ष मानक स्थापित किया। उनका दस्यु उन्मूलन अभियान में बड़ा योगदान रहा।फतेहगढ़ के एक साधारण परिवार में जन्मे बहुमुखी प्रतिभा से युक्त डॉ गिरीश बिहारी पुलिस महानिदेशक के पद तक पहुंचे और अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाकर हर साधारण नागरिक के लिए अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फर स्पेशल एजुकेशन संस्था के प्रांगण में स्थित डॉ गिरीश बिहारी की मूर्ति स्थित है और उनके लिए मशहूर शायर मजरूह सुल्तानपुरी द्वारा लिखी गई पंक्तियां , बिल्कुल सही प्रतीत होती है 'मैं अकेला ही चला था जानिब ए मंजिल मगर लोग साथ आते गए और कारवां बनता गया।' लखनऊ में उन्हें पुष्पांजलि देने हेतु उनकी पुत्रवधू डॉ सीमा वर्मा, पौत्र सिद्धांत वर्मा एवं अनंत वर्मा, उनकी भांजी रूपाली सक्सेना, मनीष सक्सेना, निशिथ कुमार,पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ विक्रम सिंह तथा उनके द्वारा स्थापित शैक्षिक संस्थान आई आई एस ई में कार्यरत कर्मचारी प्रतिमा श्रीवास्तव तथा अन्य मौजूद रहे।

महामारी से लड़ने में दूसरे देशों की मदद कर रहा है देश, अब गुयाना जमैका और निकारागुआ में भेजी गई वैक्सीन

नई दिल्ली। भारत में कोरोना टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण चल रहा है। इस क्रम में महामारी से लड़ने के लिए दूसरे देशों को वैक्सीन भेजकर मदद पहुंचा कर रहा है। ताजा जानकारी के मुताबिक, दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना, जमैका और सेंटर अमेरिका में स्थित निकारागुआ में भारत ने कोरोना वैक्सीन पहुचाई है। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने दी है। इससे पहले भी भारत की तरफ से अन्य देशों के लिए कोरोना वैक्सीन भेजी गई जा चुकी हैं। बता दें कि भारत सहित दुनिया के शक्तिशाली देश भी इस महामारी का सामना कर रहे

हैं। इस जानलेवा संक्रमण की चपेट में अमेरिका विश्व में सबसे ज्यादा संक्रमित देशों में शामिल है। बता दें कि बीते दिन सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा टीकाकरण वर्गीकरण पर सवाल उठाते हुए दिल्ली हाईकोर्ट से कहा था कि टीका विदेश में दान दिया जा रहा है, दूसरों देशों में बिक्री भी हो रही मगर अपने लोगों को पूरी क्षमता से टीका नहीं लगाया जा रहा? इस दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर नौ मार्च तक हलफनामा देकर टीकाकरण अभियान में वर्गीकरण के पीछे का तर्क समझाने का निर्देश दिया। साथ ही टीका बनाने वाली कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक को अलग हलफनामा दाखिल कर उनकी टीका निर्माण क्षमता बताने को भी कहा गया है। कोर्ट ने १० मार्च को इस मामले में अगली सुनवाई करेगा।

प्रेरणा ज्ञान उत्सव के तहत अभिभावक चौपाल का आयोजन

'उच्च प्राथमिक विद्यालय माती ,सरोजनी नगर लखनऊ में प्रेरणा ज्ञान उत्सव के तहत अभिभावक चौपाल का आयोजन किया गया'

लखनऊ। उच्च प्राथमिक विद्यालय माती में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई तथा कार्यक्रम का संचालन जिला व्यायाम शिक्षक रीमा वर्मा द्वारा की गई। खंड शिक्षा अधिकारी सरोजनी नगर शिवनन्दन सिंह ने अभिभवको को बताया कि कोविड माहामारी में बच्चों की पढ़ाई में बाधा कैसे मोबाईल के माध्यम से पढ़ाने से दूर हो सकती है और कक्षा वार बच्चों को भेजने को कहा तथा विद्यालय के नवीनीकरण के बारे में कहा। जनप्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित ग्राम प्रधान संगीता अवस्थी ने कहा कि गांव की महिलाओं को बच्चों की पढ़ाई के प्रति अपने बच्चों को जागरूक करने तथा नियमित रूप से स्कूल द्वारा दिए गए कार्य को देखने को कहा। जो बच्चे विद्यालय में नामांकित नहीं है उनका नामांकन विद्यालय में शीघ्र किए जाने का अभिभावकों से आश्वासन लिया। शिक्षक चौपाल में प्रधान अध्यापिका पूनम त्रिपाठी ने अभिभावकों को कोविड प्रोटोकॉल से संबंधित जिज्ञासा का समाधान किया और अभिभावकों को कहा कि बच्चों को नहला धुला कर कक्षा के कैलेंडर के अनुसार निर्धारीत दिन से विद्यालय जरूर भेजें। जिला

व्यायाम शिक्षक रीमा वर्मा ने बच्चों को खेल प्रतियोगिता मे प्रतिभाग करने को कहा तथा बच्चों को खेल खेल के माध्यम से कैसे पढ़ाई से जोड़ा जाए यह भी बताया । विद्यालय द्वारा बुनियादी शिक्षा हेतु विकसित किए गए रिमेडियल टीचिंग की उपयोगिता के बारे में सभी को बताया और बच्चों को अधिक से अधिक उच्च प्राथमिक विद्यालय माती में नामांकन कराने को कहा। डा. संध्या दिवेदी ने अभिभावकों से दीक्षा एप डाउनलोड करने और पाठ्य पुस्तकों में दिए गए क्यूआर कोड को मोबाइल में डाऊनलोड करने और उसके माध्यम से बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने को कहा। रीड अलाउड ऐप को बोलो ऐप भी कहते है इसके बारे मे अभिभावकों को बताया और बच्चों को पढ़ने को बच्चों को नियमित कुछ घंटो को देने को कहा। विद्यालय डीएलएड प्रशिक्षण से जुड़े अनामिका सिंह, नेहा, पूर्णिमा यादव , शिखा भारती, आकांक्षा पाल महिला शक्तिमिशन के बारे में बताया। शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रीना त्रिपाठी ने अभिभावकों को कहा कि मिशन शक्ति से जुड़नेको कहा तथा सभीअभिभवको सेआग्रह किया की सब अपनी बच्चियों को सैनिटाइजेशन, विद्यालय में नियमित जाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करें, यदि किसी भी स्तर पर उनका शोषण हो या कोई भी ऐसी बात जिसे बताने में जजों को विद्यालय के अध्यापकों को जरूर बताएं ताकि उन समस्याओं का समाधान कर सके। उच्च प्राथमिक विद्यालय माती में जागरूक अभिभावकों ने अभिभावक चौपाल में हिस्सा लिया तथा अपने बच्चों के साथ और उनके पढ़ाई से संबंधित समस्याओं पर विचार रखा। जिसमें विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक पूनम त्रिपाठी ,रीमा वर्मा ,मनोज कुमार, आशा रानी, आमंत्रित शिक्षक नीरज सिंह, शैलेंद्र सिंह, आराधना यादव, रीना त्रिपाठी ,संध्या दिवेदी (एआरपी), शीला दीक्षित, पूनम यादव, शिल्पीखन्ना संकुल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन अभिभावक शपथ दिलाई गई।अभिभावकों ने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने और शाम को २ घंटे पढ़ाने का वादा किया।

सचिन–जिगर का नया गाना रिलीज

मुंबई। म्यूजिकल जोड़ी सचिन–जिगर का नया गाना 'ना नई सुनना' रिलीज हो गया है। सोनी म्यूजिक इंडिया ने 'ना नई सुनना' गाना रिलीज किया है। सचिन– जिगर ने मिलकर जो गाना रिलीज किया है वह एक पार्टी सन्ग है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में जिगर सरैया, क्रिस्टल डिसूजा और कमेडी क्वीन भारती सिंह दिखाई दीं। जिगर सरैया और निकिता गांधी के गाए गए इस गाने को वायु ने लिखा है। सचिन–जिगर का मानना है कि , "ना नई सुनना पर काम करने का अनुभव बहुत ही बेहतरीन रहा। स्वतंत्र संगीत हमें क्रिएटिव फ्रीडम देती है जिसकी वजह से संगीत के साथ अलग–अलग एक्सपेरिमेंट करने की सम्भावनाये बढ़ जाती हैं। श्रोताओं को एक अनूठा गाना देने के उद्देश्य से हमने इस गाने के जरिये विभिन्न ध्वनियों को पेश किया है। इस गाने का म्युजिक वीडियो और इसके ट्रैक के बीच अच्छा तालमेल है। हम ना नई सुनना की दुनिया में दर्शको का स्वागत करते हैं। अभिनेत्री क्रिस्टेल डिसूजा ने कहा, "ना नई सुनना मेरी तरह का गाना है द्य मुझे बहुत खुशी है कि यह गाना रिलीज हो गया है और अब सभी लोग इसका आनंद उठा सकेंगे ! इस गाने के वीडियो शूट के दौरान बहुत मजा आया और मैं सचिन– जिगर और इंटरनेशनल डीजे आर३एचएबी के साथ काम कर के बेहद खुश हूँ। उम्मीद करती हूँ कि दर्शक इस गाने अधिकाधिक आनन्द लेंगे। भारती सिंह ने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक ऐसे

गीत का हिस्सा बनूंगी जिसे बहुत ही अनोखे तरीके से पेश किया गया है। मुझे ना नई सुनना की दुनिया से परिचित कराने के लिए सचिन जिगर को शुक्रिया अदा करती हूँ । यह मजेदार गीत आश्चर्य से भरपूर है और मैं उम्मीद करती हूँ कि दर्शक इसका लुफ्त उठाएंगे।"

पिंक फेम तापसी और डायरेक्टर अनुराग कश्यप की बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली। बॉलीवुड में इन दिनों सबकुछ सही नहीं चल रहा है. सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से बॉलीवुड के कई सितारों की परेशानी बढ़ गयी है. कभी ड्रग्स तो कभी कुछ और कारणों से सितारे लगातार परेशान हो रहे हैं. ताजा मामला टैक्स चोरी का है. जिसमें पिंक फेम तापसी पन्नू और

स्टार डायरेक्टर अनुराग कश्यप बुरे फंसते हुए दिखायी दे रहे हैं. हालांकि अभी तक किसी भी बॉलीवुड कलाकार ने छापेमारी पर कुछ भी नहीं बोला है. ऐसे में माना जा रहा है कि पूरा बलीवुड अपने आप को सेफ करने में लग गया है. गुरुवार की देर रात भी आयकर विभाग की रेड जारी रही. इस मामले में जानकारी मिल रही है कि रेड दो और दिनों तक चल सकती है. जानकारी के अनुसार आने वाले समय फैंटम की टैक्स चोरी के मामले में आईटी विभाग ने रेड मारी है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विभाग को अब तक ३५० करोड़ की कथित गड़बड़ी और फैंटम प्रोडक्शन हाउस से हुई डील के बारे में जानकारी हासिल हो गयी है. इसके बाद से ही विभाग के कान खड़े हो गये हैं. बता दें कि इस राशि में से ही अभिनेत्री तापसी पन्नू के नाम पर लगभग ५ करोड़ रुपए की कैश रिसिप्ट रिकवर की गयी है. जिसकी फिलहाल जांच चल रही है. बताया जा रहा है कि अनुराग कश्यप ने हाल के दिनों में ही प्रपर्टी में १६ करोड़ का निवेश किया था. जानकारी के अनुसार इसी प्रोपर्टी के खरीदारी के के दौरान ही विभाग को शक हुआ कि कुछ गड़बड़ झाला है. इसके पीछे का कारण था किअनुराग ने जो १६ करोड़ रुपये घर खरीदने में निवेश किये थे उसका पेमेंट उन्होंने कंपनी के अकाउंट से कर दिया था. जिसके बाद विभाग को पूरे मामले में शक हुआ.।

गौहर खान के पिता का निधन

मुंबई। गौहर खान के पिता जफर अहमद खान का निधन हो गया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कहा है कि जोहर की नमाज अदा करने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। गौहर के पिता काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पिछले हफ्ते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गौहर ने अपने पिता के निधन के कारण पर कोई और जानकारी नहीं दी है। पहले पोस्ट की गई एक तस्वीर में गौहर अपने पिता को गले लगाती नजर आ रही थीं। इसके साथ उन्होंने लिखा था, अल्लाह मेरे पिता पर रहम बख्शे। गौहर ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों से अपने पिता के लिए दुआ मांगने की भी अपील की थी। हाल ही में गौहर ने अपनी शादी से पिता के साथ वाली अपनी एक तस्वीर साझा की थी। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, एक पिता का प्यार। हैशटैगब्लेसिंग। जफर अहमद खान, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। मेरे पापा सबसे स्ट्रॉन्ग हैं।

दिल का ख्याल रखने के लिए सबसे अच्छा है सरसों का तेल : विशेषज्ञ

नई दिल्ली। यदि आप इस घातक महामारी के दौरान पूरी फिट रहना चाहते हैं तो इसके लिए सबसे अच्छे तेल का चुनाव करना बहुत जरूरी है। चूंकि कोविड–१६ एक इनफ्लेमेट्री डिसीज है और ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि हमें एंटी–इनफ्लेमेट्री डायट लेनी चाहिए और खाना पकाने में सही तेल का इस्तेमाल करना चाहिए। डियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और मशहूर फिजीशियन– कार्डियोलजिस्ट का कहना है कि ऐसे समय में सरसों के तेल का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा है। इस तेल में मोनोअनसैचुरेटेड फैट्टी एसिड (एमयूएफए) भरपूर मात्रा में होता है, इसके अलावा इसमें बड़ी मात्रा में ओमेगा–३ फैट्टी एसिड और अल्फा–लिनोलेनिक एसिड भी होते हैं जो अक्सीडेटिव तनाव (अक्सीजन रिएक्टिव स्पेसीस के

प्रोडक्शन और संचय में होने वाला असंतुलन) और सूजन को कम करते हैं। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड (पी मार्क मस्टर्ड अयल के निर्माता) की रिसर्च एंड डेवलपमेंट विंग मस्टर्ड रिसर्च प्रमोशन कंसोर्टियम (एमआरपीसी) की डायरेक्ट कहती हैं, सरसों के तेल की जो कंपोजिशन है वह कार्डियोलजी की नजर से बहुत ही अच्छी है। यही वजह है कि सारे डॉक्टर्स दिल की बीमारियों, उच्च रक्ताचाप और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचने के लिए सरसों के तेल से भोजन पकाने की सलाह देते हैं। कच्ची घानी सरसों का तेल अपनी शुद्धता, प्रोंतिक तत्वों से भरपूर होने, एक्स्ट्रा–वर्जिन, कोल्ड–प्रेस्ड होने के कारण स्वास्थ्य के लिए कई फायदे देता है। हमारी कंपनी इस चमत्कारिक तेल को बनाने का काम ८५ साल से कर रही है और ग्राहकों को शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक तेल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

फरहान अख्तर की फिल्म में काम करेंगी आलिया भट्ट!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्मकार फरहान अख्तर की फिल्म में काम करती नजर आ सकती है। बॉलीवुड में चर्चा है कि फरहान अख्तर अपनी बहन जोया अख्तर संग रोड ट्रिप पर आधारित फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं। वह 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के फीमेल वर्जन को लेकर बातचीत कर रहे हैं। इस फिल्म में आलिया को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट किया जा सकता है। फिल्म की कहानी को फरहान– जोया ने लॉकडाउन के दौरान बैठकर अंजाम दिया था। फरहान इसके पहले भाग में अभिनेता की भूमिका में थे, जबकि इस बार वह फिल्म को निर्देशित करेंगे। गौरतलब है कि फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में

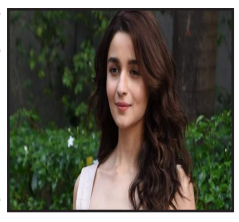

ऋतिक रोशन, फरहान, अभय देओल, कैटरीना कैफ और कल्कि कोचलिन की मुख्य भूमिकायें थी। फिल्म की कहानी तीन दोस्तों पर आधारित थी। आलिया इन दिनों फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, फरहान अख्तर अपकमिंग फिल्म 'तूफान' में दिखाई देंगे।

मणिरत्नम की फिल्म में डबल रोल निभाएंगी ऐश्वर्या राय

मुंबई। बॉलीवुड की जानी–मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या राय दक्षिण भारतीय फिल्म निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म में डबल रोल निभाती नजर आयेगी। गुरु, बम्बे और रोजा जैसी कई कामयाब फिल्में बना चुके मणिरत्नम इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पोन्नियिन सेलवन को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म ऐश्वर्या राय बच्चन लीड रोल प्ले कर रही है। फिल्म में ऐश्वर्या का डबल भी है। हाल ही में फिल्म की टीम ने ५० दिन के मैराथन शेड्यूल को पूरा किया। मणिरत्नम ने कहा कि वे अपनी अपकमिंग फिल्म को दो भागों में रिलीज करेंगे। इस फिल्म की कहानी देश के महान लेखक और कविताकार आर कृष्णमूर्ति कल्कि के ऐतिहासिक उपन्यास पर आधारित है। करीब

५०० करोड़ के बजट में मणि रत्नम निर्देशित इस फिल्म में साउथ इंडस्ट्री के कई सुपरस्टार नजर आएंगे। मल्टी स्टारर फिल्म विक्रम, किर्थी, जयम रवि, जयराम और त्रिशा अहम रोल निभाते नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में प्रभु, विक्रम प्रभु और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे आर्टिस्ट सपोर्टिंग रोल्स में दिखेंगे।

सही ज्ञान प्राप्त करने के लिए पुस्तकें ही प्रामाणिकः डा.दिनेश शर्मा

लखनऊ। ऑनलाइन सिस्टम में आज हम काफी आगे बढ़ चुके हैं। फिर भी आजकल एक और चुनौती खड़ी हो गई है। पुस्तकें नहीं लिखी जाएंगी तो इंटरनेट के लिए सामग्री कहां से आएगी! इसलिए लेखन आवश्यक है और फिर प्रकाशन भी और आगे पाठक भी। ज्ञान प्राप्त करने के लिए किताबें ही प्रामाणिक माध्यम आज भी हैं। ये उद्गार लखनऊ पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री डा.दिनेश शर्मा ने व्यक्त किए। चारबाग स्थित बाल संग्रहालय लान में आज से १४ मार्च तक चलने वाला तथा आत्मनिर्भर भारत थीम पर केन्द्रित लखनऊ पुस्तक मेला मेला प्रारम्भ हो गया। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित डा. शर्मा ने कि मेरे लिए पुस्तक मेले का एक अलग आकर्षण रहा है। मैं २००६ से पुस्तक मेले में आ रहा हूं। यहां उमड़ने वाले भीड़ हमेशा मुझे संतोष के साथ गर्व का अनुभव कराती है कि हमारे नगर में बुद्धिजीवी वर्ग है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट संचालित माध्यमों के वर्तमान दौर में जानकारी बहुत जल्द मिल जाती है। कोरोना काल में हमने आनलाइन शिक्षा को करीब से देखा और कण्टेंट

अपलोड कराया है। पुस्तकों की महत्ता कभी नहीं खत्म होने वाली। मेले की थीम आत्मनिर्भर भारत की चर्चा करने के साथ उन्होंने कहा कि ऐसे पुस्तक मेलों में आकर पता चलता है कि वास्तव दुनिया में कितना विस्तृत ज्ञान है। इस अवसर पर उन्होंने एक पत्रिका 'सिटी एसेन्स' का विमोचन भी किया। उद्घाटन समारोह में अध्यक्षता कर रहे पूर्व मेयर डा.दाऊजी गुप्ता ने भी पुस्तकों के महत्व पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इंटरनेट पर हरदम सही जानकारी नहीं मिलती। इससे आज मोबाइल फोन में संसार सिमट आया है पर हो रहा है। भारतीय भाषाओं की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि आक्सफोर्ड डिक्शनरी के ४० लाख शब्दों में पांच लाख शब्द संस्कृत के हैं। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत करते हुए संयोजक मनोज सिंह चंदेल ने नवाबी शहर में लगभग दो दशक पुरानी पुस्तक मेलों की परम्परा का जिक्र क्रमशः होते बदलाव के साथ किया और कहा कि हमारे लिए मीडिया का सहयोग हमेशा अहम रहा है। अफसोस यह है कि पिछले साल कोविड–१६ के दुरूह काल के कारण तय होने के बावजूद कोई भी मेला नहीं हो पाया पर प्रसन्नता की बात है अब नियमों में ढील होने के कारण यह मेला आयोजित हुआ है। यहां संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता बाबू रामजी दास, प्रदेश ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष टीपी हवेलिया ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर मंच पर आप्टीकुम्भ के मिशन लीडर ऋषभ रस्तोगी, विश्वम के यूपी त्रिपाठी व विशाल श्रीवास्तवव निदेशक आकर्ष चंदेल भी मंच पर उपस्थित थे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ही युगल कथक नृत्यांगना ईशा रतन–मीशा रतन ने ईश वंदना प्रस्तुत की। मेले में ओसवाल पब्लिशर्स, सुल्तान चंद, प्रकाशन संस्थान, राजकमल, लोकभारती, नेशनल बुक ट्रस्ट, वाणी प्रकाशन, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, प्रकाशन विभाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, सिंधी भाषा राष्ट्रीय परिषद, उर्दू भाषा राष्ट्रीय परिषद, चॉल्टन बुक ट्रस्ट, श्रीराकृष्ण मिशन, तर्कसंगत विचार कैफे आदि अनेक प्रकाशनों के साहित्यिक, शैक्षिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के संग विविध विषयों की किताबों के लगभग सौ स्टाल हैं। मेले को आकाशवाणी, लखनऊ स्मार्ट सिटी, मिशन गंगा, लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट, नगर निगम का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। मेले में किताबों के स्टालों पर युवाओं का उमड़ना मेले के उद्घाटन से पहले ही प्रारम्भ हो गया था। सुबह यहां विश्वम् फाउण्डेशन की गतिविधियों के विश्वम महोत्सव का आगाज हुआ। यहां के सांस्कृतिक मंच पर युवाओं के लिए उनके लिए उपयोगी विविध साहित्य के साथ ही विविध गतिविधियों को इंटर–कॉलेज प्रतियोगिता, ओपन माइक सत्र, प्रदर्शनी टॉक शो इत्यादि का आयोजन भी किया जा रहा है। आज शाम यहां मंच पर शशि चक्रवर्ती के सांस्कृतिक दल का कार्यक्रम हुआ। मेले में महिला दिवस के अलावा ग्लूकोमा सप्ताह को ध्यान में रखते हुए ऑप्टीकुम्भ का भी आयोजन किया जा रहा है। मेले में स्थानीय लेखकों की पुस्तक प्रदर्शन व बिक्री के लिए अलग स्टाल रखा गया है। लखनऊ बुक फेयर २०२१ के एसोसिएट्स प्रसार भारती–आकाशवाणी, रेडियोसिटी, मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी, विजय स्टूडियो, ऑर्गेनिक इंडिया, किरण फाउण्डेशन, ज्वाइन हैण्ड्स फाउण्डेशन, ऑरिजिंस, सेफ एक्सप्रेस, विश्वम फाउण्डेशन, जकसन, समाग्रा, स्टार टेक्नोलजीज, चोकामोर हैं। दिनांक छह मार्च के कार्यक्रम..११.०० बजे – एसआरएम पब्लिक स्कूल के कार्यक्रम, १२.०० – बजे नृत्यांगन इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम, ०४.०० बजे – लेखक हमारे बीच कार्यक्रम, ०५.१५ बजे – पोस्टर कम्पटीशन, ०७.०० बजे – कवि सम्मेलन

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, ४० वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी २/३७६ रश्मिखंड शारदा नगर आशियाना लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.

941508728. 9026560178

Email-

adbhutsamachar@gmail.com

adbhutsamachar@hotmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।